...the name you can BANK upon!

Azadi Ka Amrit Mahotsav

pnb one #JustOneApp

Share Department, Board & Coordination Division, HO Plot No.4 Sector 10, Dwarka, New Delhi–110075 Tel No. : 011-28044857, E-mail: hosd@pnb.co.in

Scrip Code : PNB	**Scrip Code : 532461**
National Stock Exchange of India Limited "Exchange Plaza" Bandra – Kurla Complex, Bandra (E) Mumbai – 400 051	BSE Limited Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street, Mumbai – 400 001

Date: 06.06.2024

Dear Sir(s),

Reg.: Annual Report of the Bank for the year 2023-24

Pursuant to Regulation 34 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find enclosed the Annual Report of the Bank for the year 2023-24.

The copy of Annual Report is also available on Bank's website at www.pnbindia.in.

You are requested to take the above on record please.

Thanking you

Yours faithfully,

EKTA PASRICHA

Digitally signed by EKTA PASRICHA
DN: cn=EKTA PASRICHA, c=IN, st=Delhi, o=Personal, title=5725, serialNumber=8EE4AE8E829EEEE60E0B52E2EF065410CCB94EC654442F55DAEC24909CDAF8C9
Date: 2024.06.06 18:32:38 +05'30'

(Ekta Pasricha)
Company Secretary

पंजाब नैशनल बैंक P.N.B. शेयर विभाग बोर्ड व समन्वय प्रभाग H.O. Share Department Board & Coord. Division New Delhi-110075 मु.का. नई दिल्ली-110075

Encl.: A/a

वार्षिक रिपोर्ट

ANNUAL REPORT

2023-24

किसान

तकनीक से भारत का वित्तीय समावेशन और विकास

Tech Innovation: Driving India's Financial Inclusion

युवा

गरीब

विकसित भारत के चार स्तंभ

महिला

विकसित भारत, समृद्ध भारत

Developed India, Prosperous India

श्री विवेक जोशी, सचिव, डीएफएस, श्री पंकज शर्मा, संयुक्त सचिव, डीएफएस और निदेशक, पंजाब नैशनल बैंक, श्री के. जी. अनंतकृष्णन, अध्यक्ष (गैर-कार्यपालक) और श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी और सीईओ द्वारा प्रधान कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली में 130वें स्थापना दिवस के अवसर पर बैंक के गो ग्रीन पहल के तहत पीएनबी पलाश 2.0 का शुभारंभ किया गया

Shri Vivek Joshi, secretary, DFS,Shri Pankaj Sharma , Joint secretary, DFS & Director, Punjab National Bank, Shri K.G.Ananthakrishnan, Chairman (Non-Executive) and Shri Atul Kumar Goel, MD&CEO Launching PNB Palaash 2.0 under Go Green intiative of the Bank on the occasion of 130th Foundation Day at Head office, Dwarka,New Delhi

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अतुल कुमार गोयल, पंजाब नैशनल बैंक को प्रदत्त राजभाषा कीर्ति प्रथम पुरस्कार माननीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा तथा राज्यसभा के उप सभापति, श्री हरिवंश नारायण सिंह एवं केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री, श्री भानु प्रताप वर्मा से ग्रहण करते हुए.

The Rajbhasha Kirti Puraskar First Prize conferred on Punjab National Bank was received by Shri Atul Kumar Goel,Managing Director & Chief Executive Officer from Shri Ajay Kumar Mishra, Minister of State for Home Affairs, Shri Harivansh Narayan Singh, Deputy Chairman, Rajya Sabha and Shri Bhanu Pratap Verma, Union Minister of State for MSME

अध्यक्ष का संदेश

Chairman's Message

वर्ष 2024 पंजाब नैशनल बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष है, क्योंकि यह 12 अप्रैल, 1895 को लाहौर से अपने संचालन की शुरुआत के अपने 130वें वर्ष में प्रवेश करेगा। बैंक ने स्वयं को सुदृढ़ कर परिवर्तनों की तीव्र हवाओं का सामना करते हुए एक लंबा सफर तय किया है, और इससे पिछले कई वर्षों में इसकी सुदृढ़ता का संकेत मिलता है। विवेक, सावधानी एवं दूरदर्शिता के सिद्धांतों पर निर्मित, पीएनबी कई संकटों का सामना करते हुए और मजबूत बनकर उभरा है, और अपने हितधारकों एवं ग्राहकों के बीच विश्वास का केंद्र बन गया है।

पंजाब नैशनल बैंक ने पिछले 13 दशकों की अपनी बैंकिंग यात्रा में स्वतंत्रता पूर्व और स्वतंत्रता पश्चात भारत के बैंकिंग परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, तथा आज यह देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुझे आपके बैंक द्वारा की गई प्रगति और वित्त वर्ष 2023–24 के सामान्य परिचालन परिवेश को आपके साथ साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

समष्टि आर्थिक परिदृश्य

वित्त वर्ष 2023–24 में वैश्विक अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर रही, जिसमें मंदी की आशंका कम हुई और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के विकास में बहाली हुई। विनिर्माण और सेवाओं में आर्थिक वृद्धि के बावजूद, युद्धों के कारण वैश्विक प्रतिकूलताएँ बनी रहीं। रूस–यूक्रेन संघर्ष बढ़ा और इज़राइल–फिलिस्तीन के नए युद्ध ने व्यापार मार्गों को आंशिक रूप से बाधित कर दिया।

इन वैश्विक रुझानों के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली बनी रही और यह दुनिया की सबसे तेजी से विकसित होने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था रही। बीसीजी रिपोर्ट[1] के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और 2047 तक यह एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। "आज, भारत वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ वैश्विक विकास का सारथी बन रहा है"[2]। भारत की आर्थिक वृद्धि ने उम्मीदों से अधिक रही और वित्त वर्ष 2023–24 की तीन तिमाहियों में 8.0 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ सभी को चौंका दिया है। यह पूरे वर्ष 8.2 प्रतिशत की मजबुत स्थिति में रहा। यह वर्ष सकारात्मक रुझान के साथ समाप्त हुआ, जिसमें जीएसटी संग्रह, कार बिक्री और यूपीआई लेनदेन जैसे उच्च आवृत्ति संकेतक नई उचाईयों पर पहुंच गए। भारत का विनिर्माण पीएमआई मार्च, 2024 में 16 साल के उच्च स्तर 59.1 पर पहुंच गया।

1. बीसीजी प्रस्तुति – दिनांक 6 अप्रैल 2024 को पीएनबी के लिए उभरते रुझान और निहितार्थ।
2. 1 अप्रैल, 2024 को मुंबई में आयोजित आरबीआई/90 उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री के संबोधन के कुछ अंश।

The year 2024 is a momentous year for Punjab National Bank as it enters its 130th year of operations from its commencement on 12th April, 1895, from Lahore. The bank has travelled a long way, gaining strength and braving strong winds of change, indicating its tenacity over the past so many years. Built on the principles of prudence, caution, and a forward-looking approach, PNB has come out stronger, weathering many crises, and has grown to be the repository of trust among its stakeholders and customers.

Punjab National Bank, in its journey over the last 13 decades, has played a highly instrumental role in shaping the banking landscape of pre and post-independence India, and continues to play a significant role in the country's economic growth.

It gives me great pleasure to share with you the progress your Bank has made and the general operating environment in FY2023-24.

Macro-Economic Scenario

The global economy in FY2023-24 fared better than expected, marked by fading fears of recession and a resurgence in growth in major economies. Despite economic growth in manufacturing and services, global headwinds due to wars persisted. The Russia-Ukraine conflict extended and a new Israel-Palestine war partially disrupted trade routes.

Amidst these global trends, the Indian economy remained resilient and was the fastest-growing major economy in the world. As per the BCG report[1], the Indian Economy is at an inflection point today and will become a developed nation by 2047. "Today, India is becoming the engine of global growth with 15 percent share in global GDP growth"[2]. The economic growth of India exceeded expectations and surprised the upside with growth greater than 8.0 per cent in three-quarters of FY2023-24. It is at a strong 8.2 per cent for the whole year. The year ended on a positive note, with high-frequency indicators like GST collections, car sales, and UPI transactions hitting high spots. India's Manufacturing PMI climbed to a 16-year high of 59.1 in March'2024.

1 BCG presentation-Emerging Trends and Implications for PNB dated 6th April 2024
2 Excerpts from Prime Minister's address RBI@90 opening ceremony dated 1st April, 2024, in Mumbai

बीसीजी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के विकास को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख कारक है बढ़ती हुई व्यय योग्य आय के कारण बड़ी घरेलू खपत मांग में तेजी, आपूर्ति श्रृंखलाओं का वैश्विक पुनर्गठन; विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, भारत को दुनिया का कारखाना बनाने वाली उच्च निर्यात क्षमता, बढ़ते हुए पब्लिक पूंजीगत व्यय के साथ सहायक वित्तीय इकोसिस्टम और जनसांख्यिकीय लाभांश हैं।

भारत का डिजिटल परिदृश्य रोमांचक संभावनाएँ प्रस्तुत करता है। तेजी से बढ़ते ई–कॉमर्स, फिनटेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र योग्य पेशेवरों के लिए कई अवसर प्रदान करते हैं। डिजिटल इंडिया जैसे सरकारी कार्यक्रम डिजिटल समावेशन को बढ़ावा दे रहे हैं, इंटरनेट एक्सेस का विस्तार कर रहे हैं और डिजिटल अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं। हालाँकि, सुदृढ़ साइबर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है, जो डिजिटल प्रक्रियाओं की अखंडता सुनिश्चित करते हैं और उभरते खतरों से बचाते हैं, जिससे यह सफल डिजिटल परिवर्तन की आधारशिला बन जाता है।

जलवायु परिवर्तन वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्थाओं दोनों के लिए एक बड़ा खतरा है। स्विस रे इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर, बढ़ते तापमान से 2050 तक जीडीपी में 18% तक की कमी आ सकती है[3]। जलवायु जोखिम को कम करने के लिए दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को सामूहिक कार्रवाई करने की आवश्यकता होगी। जलवायु परिवर्तन को कम करने में भारत सबसे आगे है। भारत ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन की पहलों और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता में सक्रिय भागीदारी दिखाई है। भारत ने जलवायु कार्रवाई के लिए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, लीडआईटी, जलवायु और आपदा प्रतिरोधी पहल, रेजिलिएंट द्वीप राज्यों के लिए बुनियादी ढांचा, ग्रीन क्रेडिट पहल एवं अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस जैसे मंचों की शुरुआत की है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बैंकों के लिए ग्रीन डिपॉजिट फ्रेमवर्क तैयार किया है और अपनी विनियमित संस्थाओं द्वारा जलवायु संबंधी जोखिमों के प्रकटीकरण के लिए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। सेबी ने इसी तरह कारोबार उत्तरदायित्व और सस्टेनिबिलिटी रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) नामक प्रकटीकरण दिशा–निर्देश जारी किए हैं, जिसके अनुसार सूचीबद्ध कंपनियों को सस्टेनिबिलिटी मापदंडों से संबंधित प्रकटीकरण करना अनिवार्य हैं। भारत ने वर्ष 2030 के लिए निर्धारित नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को 2020–21 में ही प्राप्त कर लिया है। भारत का लक्ष्य 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना और 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पूरा करना है।

बैंकिंग परिदृश्य

पिछला वित्तीय वर्ष भारतीय बैंकों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जो एक दशक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाता है। सभी बुनियादी स्तंभों–व्यावसायिक वृद्धि, आस्ति गुणवत्ता, लाभप्रदता और पूंजी पर्याप्तता– में स्पष्ट पॉजिटिव वृद्धि हुई। आरबीआई के पाक्षिक डेटा के अनुसार, बैंक ऋण दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए, जो 16 प्रतिशत (और एचडीएफसी बैंक के एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय के प्रभाव को देखते हुए 20 प्रतिशत) तक पहुंच गया, जो मुख्य रूप से खुदरा ऋणों की जबरदस्त मांग से प्रेरित था[4]। उल्लेखनीय रूप से, सकल एनपीए 2018 में 11.25 प्रतिशत से घटकर सितंबर 2023 तक 3 प्रतिशत से नीचे आ गया।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनका संचयी लाभ 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा – जो पिछले वर्ष की तुलना में

3. स्विस रे इंस्टीट्यूट जलवायु परिवर्तन–वार्षिक रिपोर्ट 2021 के अनुसार
4. 22 मार्च 2024 को आरबीआई का पाक्षिक डेटा

As per the BCG report, the key drivers that are propelling India's growth story are large domestic consumption demand on the back of rising disposable income, global realignment of supply chains; government launched Production Linked Incentive (PLI) Scheme to boost manufacturing, high export potential turning India into a factory of the world, supportive financial ecosystem with rising public capex and demographic dividend.

India's digital landscape presents exciting prospects. The burgeoning e-commerce, fintech, and Artificial Intelligence sectors offer a multitude of avenues for qualified professionals. Government programs like Digital India are fostering digital inclusion, expanding internet access and propelling the digital economy forward. However, there is a need for robust cybersecurity measures which ensure the integrity of digital processes and provide a shield against evolving threats, making it a cornerstone of successful digital transformation.

Climate change poses significant risks to both the global and Indian economies. Globally, rising temperatures could reduce GDP by up to 18% by 2050, according to a report by Swiss Re Institute[3]. Economies around the world will need to take collective action to mitigate climate risk. India is at the forefront of mitigating climate change. India has shown active participation in global climate change initiatives and commitment to renewable energy. India has initiated forums for climate action, such as the International Solar Alliance, LeadIT, Climate and Disaster Resilience Initiative, Infrastructure for Resilient Island States, Green Credit Initiative and International Big Cat Alliance. The Reserve bank of India on its part has also framed the Green Deposit framework for banks and issued guidelines for disclosure of climate related risks by its regulated entities. SEBI has similarly issued disclosure guidelines called the Business Responsibility and Sustainability Reporting (BRSR) which mandate listed companies to make disclosures related to sustainability parameters. India has also achieved in 2020-21 the renewable energy target it had set for 2030. India aims to achieve net zero emissions by 2070 and fulfil 50 per cent of its energy requirements through renewable energy by 2030.

Banking Scenario

The last financial year marked a significant milestone for Indian banks, representing the best performance in a decade. Across all fundamental pillars—business growth, asset quality, profitability and capital adequacy —positive growth was evident. Bank credit surged to decadal-high levels, reaching 16 per cent (and 20 per cent considering the merger impact of HDFC Bank with HDFC Ltd.), primarily driven by robust demand for retail loans, as per RBI's fortnightly data[4]. Notably, gross NPAs decreased from 11.25 per cent in 2018 to below 3 per cent by September 2023.

Public Sector Banks played a pivotal role, with cumulative profits exceeding Rs. 1.4 Lakh Crore—a remarkable 35 per cent growth over

3 According to Swiss Re Institute's climate change-Annual Report 2021
4 RBI's fortnightly data as on 22nd March 2024

35 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। यह परिवर्तन काफी हद तक सरकारी पहलों और सुधारों का परिणाम है। हालाँकि, व्यवसाय के बाजार हिस्से में गिरावट सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए एक चुनौती बनी रही।

इसके साथ ही, भारतीय बैंकिंग परिदृश्य में संरचनात्मक बदलाव आया। बैंकों ने नवाचार और डिजिटलीकरण को अपनाया, विभिन्न डिजिटल उत्पादों और सेवाओं की शुरुआत की। वित्त वर्ष 2023 –24 में यूपीआई लेनदेन ने 100 बिलियन का आंकड़ा पार कर लिया, जो कि उल्लेखनीय 56 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। भारत अब वैश्विक स्तर पर अग्रणी है,और सभी डिजिटल भुगतानों में इसका 46 प्रतिशत हिस्सा है। मूल्य ऋण श्रृंखलाओं के डिजिटलीकरण में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। डिजिटल बैंकिंग की ओर यह बदलाव भारत की कम नकदी वाले अर्थव्यवस्था की ओर की यात्रा को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) जैसी सरकारी पहलों के साथ–साथ डिजिटल बैंकिंग क्षमताओं को अपनाने से 50 करोड़ से ज्यादा लोग और कई छोटे व्यवसाय औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में आ गए हैं। सरकार और नियामक संस्थाओं द्वारा की गई अन्य पहलों जैसे कि इंडियास्टैक पर गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) चालान प्रस्तुत करना, 59 मिनट माइक्रो, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) लोन पोर्टल, वित्तीय इकोसिस्टम में अकाउंट एग्रीगेटर और पेमेंट एग्रीगेटर, केसीसी ऋणों का डिजिटलीकरण, जैसी सुविधा प्रदाता के प्रवेश से अन्य आईटी एप्लीकेशनों के साथ यूपीआई की उन्नत अंतर–संचालन क्षमताएं शामिल होने से यूपीआई के दायरे और कवरेज में विस्तार हुआ है। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी), ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) आदि नवाचार वित्तीय इकोसिस्टम को और बेहतर करेंगे।

बैंक परिचालन दक्षता में सुधार, जोखिम कम करने, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने और नवोन्मेष सेवाओं को विकसित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) जैसी उभरती हुई तकनीकों का प्रयोग करना जारी रखेंगे। बैंक आपूर्ति श्रृंखला के वित्तपोषण के क्षेत्र में भी कदम रख रहे हैं जो सुचारू लेनदेन को सक्षम करेगा, जोखिम कम करेगा और समग्र दक्षता को बढ़ाएगा।

एमएसएमई और कृषि जैसे अर्थव्यवस्था के पारंपरिक क्षेत्रों को ऋण देने के अलावा, बैंक की अंतरिक्ष, इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा आदि जैसे नए उभरते क्षेत्रों में भी प्रवेश करने की संभावना है।

भारत में बैंक 5G इंटरनेट उपयोग, स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच, डिजिटल भुगतानों का विस्तार, बाधा रहित डेटा आधारित डिजिटल ऋण, जोखिम–कम करने वाली सुरक्षित डेटा सुरक्षा और बैंकों और फिनटेक के बीच सहयोग के साथ सेवाओं में प्रौद्योगिकी–चालित नवाचारों की अगली लहर के लिए तैयार हो रहे हैं। बैंकिंग क्षेत्र अर्थव्यवस्था के जरूरत मंद क्षेत्र को ऋण प्रदान करके अर्थव्यवस्था में खपत और निवेश वृद्धि में सहायता करेगा। उपर्युक्त कदम भारत के लिए 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

आपके बैंक में विकास

12 अप्रैल 1895 को 20,000 रुपये की शुद्ध स्वदेशी पूंजी से अपनी बैंकिंग यात्रा शुरू करते हुए, बैंक ने 31 मार्च 2024 को 23 लाख करोड़ रुपये के कुल कारोबार का कीर्तिमान प्राप्त कर लिया है। वित्त वर्ष 2023–24 में, आपके बैंक ने 8,245 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों में वर्ष–दर–वर्ष 228 प्रतिशत की सर्वोच्च वृद्धि दर्ज की है।

the previous year. This transformation owes much to government initiatives and reforms. However, decline in market share of business remained a challenge for all the Public Sector Banks.

Simultaneously, the Indian banking landscape underwent a structural shift. Banks embraced innovation and digitalization, introducing various digital products and services. UPI transactions crossed the 100 billion mark in FY' 2023-24, registering a remarkable 56 per cent yearly growth. India now leads globally, accounting for 46 per cent of all digital payments. Lending to value chains, too, has made significant progress in digitization. This transition towards digital banking reflects India's journey towards a less cash economy.

The adoption of digital banking capabilities, along with Government initiatives like the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY), Unified Payment Interface (UPI) and Goods and Service Tax (GST), has brought over 50 crore individuals and numerous small businesses into the formal banking system. Further initiatives by the Government and the regulator like harnessing Goods and Services Tax (GST) invoices on IndiaStack, the 59-minute Micro, Small and Medium Enterprise (MSME) loan portal, introduction of more players in the financial ecosystem such as Account Aggregator and Payment Aggregators, digitalization of KCC loans, expanding the scope and coverage of UPI and greater interoperability of UPI with other IT applications. Central Bank Digital Currency (CBDC), Open Network for Digital Commerce (ONDC) etc. will further mature the financial ecosystem.

Banks will continue to deploy emerging technologies like artificial intelligence, machine learning, and the Internet of Things (IoT) to improve operational efficiency, mitigate risks, enhance customer experience, and develop innovative services. Banks are also experimenting with supply chain financing that will enable smoother transactions, reduce risks and enhance overall efficiency.

Apart from extending credit to traditional sectors of the economy like MSME and Agriculture, banks are also expected to venture into new emerging sectors like Space, Electric Vehicles and Renewable Energy, etc.

Banks in India are gearing up for the next wave of technology-fuelled innovations in services with the imminent growth of 5G internet usage, deeper smartphone penetration, expansion of digital payments, frictionless data-led digital lending, risk-mitigated secure data protection and collaboration between banks and FinTechs. The banking sector will aid the consumption and investment growth in the economy by providing credit for the needy sectors of the economy. The above steps will pave the way for India to become the third-largest economy with a GDP of $5 trillion by 2027.

Developments at your Bank

Beginning its journey from a pure Swadeshi capital of Rs.20,000 on 12th April 1895, the Bank achieved the landmark of Rs.23 lakh crore in Gross Business as of 31st March 2024. In FY'2023-24, your Bank registered the highest net profit year-on-year growth at 228 per cent to Rs.8,245 crores among all the Public Sector Banks. The Bank has

बैंक ने पिछले दो वर्षों में आस्ति गुणवत्ता में उल्लेखनीय प्रगति की है, और अब इसका शुद्ध एनपीए और प्रावधान कवरेज अनुपात उद्योग के अनुरूप है। बैंक 11.5 प्रतिशत की नियामक आवश्यकता के मुकाबले मार्च 2024 तक 15.97 प्रतिशत की पूंजी पर्याप्तता अनुपात के साथ भलीभांति पूंजीकृत है।

बेहतर वित्तीय प्रदर्शन और निवेशकों का भरोसा जीतने के कारण पीएनबी का बाजार पूंजीकरण 15 दिसंबर 2023 को 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला हमारा बैंक तीसरा सरकारी बैंक है और बाजार पूंजीकरण के लिहाज से यह शीर्ष 50 सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध शेयरों में शामिल हो गया है।

आपका बैंक हमेशा सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करता रहा है। सभी स्तरों पर और सभी लेन–देनों में ग्राहक आनन्द हमारा प्रमुख लक्ष्य है। इसे प्राप्त करने के लिए, पीएनबी ने डिजिटल रूपांतरण सफ़र शुरू किया है और पिछले 2 वर्षों में 100 से अधिक डिजिटल उत्पाद, प्रक्रियाएँ और पोर्टल लॉन्च किए हैं। डिजिटल रूपांतरण की यह यात्रा जिन तीन स्तंभों पर आधारित थी, वे हैं – चैनलों को अधिक कुशल बनाने के लिए उनका पुनर्गठन, मानवीय हस्तक्षेप को कम करना और सर्वोत्तम क्षमताओं का निर्माण करना।

ग्राहक केन्द्रीयता को ध्यान में रखते हुए, बैंक विभिन्न ग्राहक वर्गों की विभिन्न वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चालू खाता और बचत खाता उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। आपके बैंक ने बैंकिंग सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए अपने मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग एप्लिकेशन पर कई नई सुविधाएँ और सेवाएँ शुरू की हैं साथ ही अपने ग्राहक शिकायत निवारण तंत्र को भी सुदृढ़ किया है। हम अधिक समावेशी वित्तीय सेवा परिदृश्य का मार्ग प्रशस्त करने के लिए फिनटेक इकोसिस्टम के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं, जिसका मुख्य लक्ष्य ग्राहक सेवा को बेहतर बनाना है।

आपका बैंक, विभिन्न प्रक्रियाओं जैसे जोखिम न्यूनीकरण, मॉडल विकास, एटीएम और बीएनए[5] मशीनों में नकदी प्रतिधारण को अनुकूलित करने, खुदरा उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए लेनदेन आधारित प्रोत्साहन, लीड जनरेशन, ग्राहक प्रतिधारण आदि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग को भी शामिल कर रहा है।

आपके बैंक ने पिछले वर्ष बैंक में जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न उपाय किए, जैसे जलवायु जोखिम प्रबंधन कक्ष की स्थापना, समर्पित बाजार इंटेलिजेंस यूनिट प्रभावी ऋण निगरानी के लिए नई प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली सजग 2.0 की शुरुआत, जोखिम डैशबोर्ड, उत्पाद अनुमोदन प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाना आदि।

आपके बैंक ने अनुपालन संस्कृति को मजबूत करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जैसे व्यक्तिगत स्तर पर अनुपालन को ट्रैक और मॉनिटर करने के लिए अनुपालन निगरानी उपकरण, रेगुलेटरी दंडों को ट्रैक करने के लिए दंड रिपोर्टिंग और निगरानी प्रणाली और आंतरिक रूप से विकसित अनुपालन जोखिम मूल्यांकन मॉडल का उपयोग करके बैंक स्तर पर अनुपालन जोखिम की निगरानी करना।

भारत 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है, और आपका बैंक इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पीएनबी ने इलेक्ट्रिक वाहनों, रूफटॉप सोलर पैनलों के वित्तपोषण जैसी हरित वित्तपोषण संबंधी गतिविधियों के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं और

5. एटीएम – ऑटोमेटेड टेलर मशीन, बीएनए – बंच नोट एक्सेप्टर

made significant progress in asset quality in the last two years, and now its Net NPA and Provisioning Coverage Ratio are in line with the industry. The Bank is also well capitalized with a capital adequacy ratio of 15.97 per cent as of March'2024 as against the regulatory requirement of 11.5 per cent.

On the back of strong financial performance and gaining investors' trust, the PNB's market capitalization crossed Rs.1 lakh crore mark on 15th December 2023. Our Bank is the third PSB to achieve this feat, and it has also joined the top 50 most valuable listed stocks in terms of market capitalization.

Your Bank has always been striving to offer the best. Customer delight at all levels and in all transactions is our goal. To achieve this, PNB embarked on a Digital Transformation Journey and in the last 2 years has launched more than 100 digital products, processes and portals. The three pillars on which this digital transformation journey was based are –revamping of channels to make them more efficient, reduce human intervention and building the best capabilities.

Keeping customer centricity in mind, Bank offers a range of Current Account and Savings Account products to cater to varied financial needs of different customer segments. Your Bank has introduced various new features and services in its mobile and internet banking application to facilitate ease of banking services and also strengthened its customer grievance redress mechanism. We are constantly collaborating with the Fintech ecosystem to pave the way for a more inclusive financial service landscape, with the primary goal of enhancing customer service.

Your Bank is also incorporating Artificial Intelligence, Machine Learning in various processes like risk mitigation, model development, optimizing cash retention in ATM & BNA[5] machines, transaction based nudges for boosting retail products, lead generation, customer retention, etc.

Your Bank undertook various measures last year to reinforce sharper risk management at the bank like setting up of a climate risk management cell, dedicated Market Intelligence Unit, introducing new Early Warning System SAJAG 2.0 for effective credit monitoring, risk dashboard, strengthening of product approval process etc.

Your Bank also undertook various steps to strengthen its compliance culture like Compliance Monitoring Tool to track and monitor individual level compliance, Penalty Reporting and Monitoring System to track regulatory penalties and monitoring Compliance Risk at Bank level using in-house developed Compliance Risk Assessment Model.

India strives to achieve net zero emissions by 2070, and your Bank will play a pivotal role in this transition. PNB has launched various schemes for green financing like financing of Electric Vehicles, rooftop solar panels and extending credit to various renewable energy projects.

5 ATM - Automated Teller Machine, BNA - Bunch Note Acceptor

इसके साथ ही विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को ऋण भी प्रदान करता है। बैंक ने पिछले साल पीएनबी पलाश भी शुरू किया था, जो ऊर्जा और संसाधन संरक्षण, कागज़ के उपयोग में कमी, अपशिष्ट प्रबंधन और सुव्यवस्थित डिजिटल प्रक्रियाओं जैसे उपायों के माध्यम से बैंक के परिचालन में निरंतरता लाने हेतु आठ महीने की अवधि का अभियान है।

भावी राह

कारोबार वृद्धि में तेजी लाने के लिए, आपका बैंक रिटेल, कृषि, एमएसएमई और कॉर्पोरेट जैसे सभी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। रिटेल ऋण के लिए, बैंक के पास प्रतिस्पर्धी दरों पर ग्राहकों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई उत्पाद हैं और यह अपने विशेष ऋण प्रोसेसिंग केंद्र और मार्केटिंग वर्टिकल का लाभ उठा रहा है। बैंक निरंतर आधार पर रिटेल ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बिल्डरों, आवास ऋण परामर्शदाताओं, कार डीलरों और एनबीएफसी के साथ टाई–अप करेगा।

आपका बैंक किसानों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करने के लिए कृषि पोर्टफोलियो पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा। ग्रामीण शाखाओं के अपने सघन नेटवर्क का लाभ उठाने के अलावा, आपका बैंक कृषि के लिए अपने डिजिटल उत्पादों जैसे एग्री गोल्ड लोन, कृषि तत्काल ऋण आदि का विपणन करना जारी रखेगा। बैंक स्वयं सहायता समूहों के वित्तपोषण और खाद्य एवं कृषि आधारित सहायक गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ टाई–अप करने की भी योजना बना रहा है।

केंद्रित प्रोसेसिंग केंद्रों के कारण बेहतर ऋण संस्कृति ने बैंक को सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ोतरी के साथ एमएसएमई ऋणों में वृद्धि को भुनाने के लिए अच्छी स्थिति में ला दिया। 13.5 लाख विक्रेता सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) पर पंजीकृत हैं जो एमएसएमई पोर्टफोलियो को बढ़ाने का एक बड़ा अवसर प्रदान करते हैं। भारत में, आने वाले वर्षों में एमएसएमई की संख्या 6.3 करोड़ से बढ़कर 7.2 करोड़ होने की उम्मीद है। केवल 15% एमएसएमई औपचारिक ऋण के दायरे में हैं, जो विशाल अप्रयुक्त सम्भावना प्रदान करते हैं। इसका लाभ आपके बैंक द्वारा शाखाओं के विशाल नेटवर्क, एमएसएमई ऋण हेतु विशेष केंद्रों, एमएसएमई खंड के लिए योजनाओं और उत्पादों की श्रृंखला तथा डिजिटल चैनलों के माध्यम से उठाया जा सकता है। मौजूदा 58 एमएसएमई क्लस्टरों के अलावा, बैंक का लक्ष्य अतिरिक्त क्लस्टरों की पहचान करना है। प्रत्येक क्लस्टर के लिए, हम अनुकूल वित्तीय उत्पाद और एक जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहे हैं, ये सभी प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर क्लस्टर–आधारित वित्तपोषण के माध्यम से प्रदान किए जाएगें।

कॉर्पोरेट ऋण के लिए, आपके बैंक ने ऋण प्रस्तावों के त्वरित निपटान के लिए प्रधान कार्यालय में अत्यधिक बड़ी कॉर्पोरेट शाखाएँ/बड़ी कॉर्पोरेट शाखाएँ और केंद्रीकृत उद्योग उन्मुख ऋण डेस्क बनाया है। बैंक बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों, रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग खरीद और निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे प्रमुख उद्योगों के साथ–साथ 14 क्षेत्रों में ऋण देना जारी रखेगा, जिनके लिए सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की है।

इन सभी उपायों से बैंक को समग्र कारोबार में अपनी बाजार हिस्सेदारी पुनः हासिल करने में मदद मिलने की आशा है।

बैंक अपनी कारोबार वृद्धि रणनीति को जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप बनाना सुनिश्चित कर रहा है। बैंक ने आर्थिक अनिश्चितताओं, जलवायु जोखिमों, विनियामक जोखिमों, साइबर जोखिमों आदि जैसे विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होने वाले जोखिम के प्रबंधन के लिए विभिन्न नीतियां और रूपरेखाएँ तैयार की हैं।

The Bank last year also launched PNB Palaash, an eight-month period campaign to embrace sustainability in bank's operations through measures such as energy and resource conservation, paper reduction, waste management and streamlined digital processes.

Going Forward

For accelerating business growth, Your Bank will continue to focus on all the segments like Retail, Agriculture, MSME and Corporates. For Retail Credit, Bank has multiple products for meeting the credit needs of the customers at competitive rates and it is leveraging its specialized loan processing points and marketing verticals. Bank will undertake tie-ups with Builders, Home Loan Counsellors, Car Dealers and NBFCs for driving retail credit growth on continued basis.

Your Bank will continue its focus on agriculture portfolio to help farmers meet their credit requirements. Apart from leveraging its dense network of rural branches, Your Bank will continue to market its digital products for agriculture i.e. Agri Gold Loan, Krishi Tatkal Rin etc. Bank also plans to tie up with State Rural Livelihood Mission for financing of Self Help Groups and for financing food and agriculture based ancillary activities.

Improved credit culture due to focused processing centres made the Bank well positioned to capitalize an increase in MSME loans with the upswing in GDP. 13.5 Lakh vendors are registered on Government e-Marketplace (GeM) providing a large opportunity to increase MSME portfolio. In India, the number of MSMEs are expected to grow from 6.3 Crore to 7.2 Crore in the coming years. Only 15% of MSMEs are under the purview of formal credit, providing vast untapped potential, that could be exploited by your bank through vast network of branches, specialized centres for MSME loans, array of schemes and products for MSME segment and digital channels. Apart from the existing 58 MSME clusters, the Bank aims to identify additional clusters. For each cluster, we plan to introduce customized financial products and an awareness program, all facilitated through cluster-based financing at competitive interest rates.

For Corporate Credit, Bank has dedicated Extra Large Corporate Branches/ Large Corporate Branches and Centralized Industry Oriented Credit Desk at Head Office for quick disposal of credit proposals. Your Bank will continue to extend credit in Core Industries like Infrastructure sectors, Real Estate, Engineering Procurement and Construction, Food Processing along with 14 sectors for which government has launched the Production Linked Incentive (PLI) scheme.

All these measures are expected to help the Bank regain its market share in overall business.

Bank is ensuring to align its business growth strategy with its risk appetite. Your Bank has devised various policies and frameworks for management of risk emanating from various sources like economic uncertainties, climate risks, regulatory risks, cyber risks etc.

आपका बैंक समाज को वापस देने के सिद्धांत में विश्वास रखता है जो इसकी विभिन्न पहलों, सीएसआर गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों से स्पष्ट होता है। बैंक के देश भर में 12 किसान प्रशिक्षण केंद्र (एफटीसी) हैं जो किसानों को कृषि और संबद्ध गतिविधियों, ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनरी के रखरखाव, फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण और संरक्षण, कंप्यूटर पाठ्यक्रम, ब्यूटी पार्लर चलाने, सिलाई और कढ़ाई आदि पर प्रशिक्षण देकर उनकी सहायता कर रहे हैं। स्थापना के बाद से, एफटीसी ने ग्रामीण क्षेत्रों की युवा लड़कियों और महिलाओं सहित 18 लाख से अधिक किसानों, युवाओं को प्रशिक्षण दिया है। बैंक ने अपने 175 वित्तीय साक्षरता केंद्रों (एफएलसी) के माध्यम से किसानों, स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म और लघु उद्यमियों, वरिष्ठ नागरिकों आदि जैसे विभिन्न समूहों सहित लगभग 3 लाख लोगों को वित्त वर्ष 2023–24 में निःशुल्क वित्तीय साक्षरता और ऋण परामर्श भी प्रदान किया। इन कार्यक्रमों ने इन समूहों को बेहतर वित्तीय नियोजन करने में मदद की जो उन्हें वित्तीय विवेक की आदत डालने में मदद करता है। बैंक ग्रामीणों को स्वरोजगार उद्यम और नौकरी करने के लिए कौशल उन्नयन हेतु प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहा है और अपने 76 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (RSETI) और 2 ग्रामीण विकास केंद्रों (आरडीसी) के माध्यम से स्थापना के बाद से लगभग 6 लाख लोगों को बसने में मदद की है। हमारे (RSETI) समावेशी विकास के लिए पर्याप्त ऋण सुनिश्चित करके प्रतिभागियों को आजीविका प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

आपका बैंक अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन उत्साहपूर्वक करता है, जिसमें निःशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर के अलावा अस्पतालों, स्कूलों, डिफेन्स स्टेशनों आदि को दान और बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद करना शामिल है। बैंक समाज के कमजोर वर्गों के लाभ के लिए काम करने वाली विभिन्न समितियों, धर्मार्थ संस्थानों और गैर सरकारी संगठनों को भी सहायता प्रदान करता है।

भविष्य में, पीएनबी एमएसएमई, कृषि, महिलाओं और युवाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों को ऋण सहायता प्रदान करके विकसित भारत के विजन में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

आपका बैंक क्रॉस–सेलिंग और अपसेलिंग अवसरों के लिए अपने परिचालन में जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स को उपयोग करना जारी रखेगा। आपका बैंक मोबाइल फर्स्ट अनुभव, एनीव्हेयर बैंकिंग, व्हाट्सएप बैंकिंग, चैटबोट्स और सुगम मोबाइल ऐप के माध्यम से बैंकिंग को आसान बनाना जारी रखेगा जो वित्तीय पहुंच को व्यापक बनाने और ग्राहक अनुभव और विश्वास को बढ़ाने में मदद करेगा। यह अपनी प्रणाली को सुदृढ़ और विश्वसनीय बनाने के लिए उपयुक्त तकनीक में निवेश करके अपने विभिन्न हितधारकों के लिए डिजिटल अनुभव को यथासंभव सुरक्षित बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

पीएनबी अपनी प्रक्रियाओं, यूजर इंटरफेस और बैंकिंग अनुभव का पुनर्मूल्यांकन जारी रखेगा ताकि कार्यकुशलता को अभीष्टतम किया जा सके, व्यय को न्यूनतम किया जा सके, ग्राहक संबंधों को मजबूत किया जा सके तथा नियामक अनुपालन और प्रशासन को बढ़ाया जा सके, ताकि अंततः यह उद्योग के सभी बैंकों में एक प्रमुख प्रतिस्पर्धी बैंक बन सके।

बैंक का मानना है कि मानव संसाधन इसकी सबसे बड़ी संपत्ति है और इसलिए यह अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना उड़ान के माध्यम से अपने कर्मचारियों के कौशल विकास और उन्नयन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में बैंक ने कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और मानव संसाधन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए विभिन्न टूल और नवाचार शुरू किए।

Your Bank strongly believes in giving back to the society which are evident from its various initiatives, CSR activities and training programs. Bank has 12 Farmer Training Centres (FTCs) across the country that are aiding farmers by providing them training on agriculture & allied activities, maintenance of tractor and other farm machineries, processing and preservation of fruits and vegetables, computer courses, running of beauty parlour, tailoring & embroidery, etc. Since inception, FTCs has provided training to more than 18 lakh farmers, youth including young girls and women from rural areas. Your Bank also provided free financial literacy and credit counselling in FY'2023-24 to around 3 lakh people, including different groups like Farmers, Self Help Groups, Micro and Small Entrepreneurs, Senior Citizens etc. through its 175 Financial Literacy Centres (FLCs). These programs aided these groups to have better financial planning that helps them inculcate the habit of financial prudence. Bank is also providing training to the rural population for skill up-gradation to undertake self-employment ventures and jobs and has helped around 6 lakh persons to settle through its 76 Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs) and 2 Rural Development Centres (RDCs) since inception. Our RSETIs focus on settlement of participants by also ensuring adequate credit for inclusive growth.

Your Bank continues to discharge its social obligations with enthusiasm, which includes free medical camps, blood donation camps, besides frequent donations and infrastructure support to Hospitals, Schools, Defence Stations etc. The Bank also supports various societies, charitable institutions and NGOs working for the benefit of weaker sections of society.

Going forward, PNB will play an active role in the vision of Viksit Bharat by extending credit support to all sectors of the economy with special focus on MSME, Agriculture, Women and Youth.

Your Bank will continue to deploy generative Artificial Intelligence and predictive analytics in its operations for cross-selling and upselling opportunities. Your Bank will continue to facilitate ease of banking through Mobile First experience, Anywhere Banking, Whatsapp Banking, Chatbots, and intuitive mobile apps that will help in broadening the financial reach and enhancing the customer experience and trust. It is also committed to make the digital experience as safe as possible for its various stakeholders by investing in appropriate technology to make its systems robust and reliable.

PNB will continue to reassess its processes, user interface and banking experience to optimize efficiencies, minimize expenses, strengthen customer relationships and enhance regulatory compliance and governance to eventually become one of the most competitive Banks in the industry.

The Bank believes that human resources are its strongest asset and thus continues to focus on upskilling and grooming of its employees through its ambitious project UDAAN. Bank in the last financial year introduced various tools and initiatives to enhance productivity of its employees and effectively utilize its human resources.

बैंक पिछले 13 दशकों की तरह ही पूरे जोश और उत्साह के साथ देश की सेवा करता रहेगा। यह भारत के सामाजिक ताने–बाने को मजबूत बनाता रहेगा और अर्थव्यवस्था के आवश्यक क्षेत्रों को ऋण प्रदान करके भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए विकसित भारत के विजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैंक देश भर में वित्तीय सेवाओं का विस्तार करना जारी रखेगा और भारत के प्रत्येक नागरिक तक वित्तीय पहुँच सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगा ।

मैं पीएनबी परिवार के प्रत्येक सदस्य को बधाई देना चाहता हूँ और उनका आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने बैंक के सतत और स्थिर विकास के लिए लगातार और अनथक रूप से कार्य किया है। मैं हमारे बैंक को निरंतर सहयोग प्रदान करने और विश्वास जताने के लिए सम्मानित शेयरधारकों, ग्राहकों सहित सभी हितधारकों को धन्यवाद देता हूँ। मैं भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य नियामकों को उनके सहयोग और मार्गदर्शन के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। अंत में, मैं बोर्ड के सभी सदस्यों को उनके बहुमूल्य सहयोग और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूँ और उनकी सराहना करता हूँ।

(के. जी. अनंतकृष्णन)
गैर–कार्यपालक अध्यक्ष

The Bank will continue to serve the nation with the same zeal and vigour as it has done for the past 13 decades. It will continue to make the social fabric of India strong and play a pivotal part in the vision of Viksit Bharat making India the third-largest economy by providing credit to essential sectors of the economy. The Bank will also continue to extend financial services across the length and breadth of the country and take steps to ensure financial reach to each and every citizen of India.

I would like to congratulate and extend my gratitude to each and every member of the PNB Parivar who has worked relentlessly and untiringly for the sustained and steady growth of the Bank. I sincerely thank all the stakeholders including esteemed shareholders, customers for their continued support and trust in our Bank. I also express my sincere thanks to the Government of India, the Reserve Bank of India and other regulators for their support and guidance. Last but not the least, I thank and appreciate all the Board members for their valuable inputs and guidance.

(K.G. Anantha Krishnan)
Non-executive Chairman

BLANK PAGE

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के डेस्क से

From the Managing Director and CEO's Desk

प्रिय सम्मानित हितधारक

निदेशक मंडल और प्रबंधन टीम की ओर से, वित्त वर्ष 2023–24 के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट साझा करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है। यह रिपोर्ट उत्तरदायित्वपूर्ण विकास के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता के साथ–साथ पिछले वित्तीय वर्ष में बैंक द्वारा हासिल किए गए महत्वपूर्ण कीर्तिमानों और उपलब्धियों को साझा करती है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था

वैश्विक मोर्चे पर, स्थिर विकास और घटती मुद्रास्फीति के साथ अर्थव्यवस्था उल्लेखनीय रूप से लचीली बनी रही। आर्थिक गतिविधियों में स्थिर वृद्धि ने मुद्रास्फीतिजनित मंदी और वैश्विक मंदी की चेतावनियों को खारिज कर दिया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट अप्रैल 2024 के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2023 में वैश्विक वृद्धि, 3.2 प्रतिशत अनुमानित है, जो कैलेंडर वर्ष 2024 और 2025 में भी इसी दर से जारी रहने का अनुमान है। कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान, दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों द्वारा नीतिगत दरों में वृद्धि के परिणामस्वरूप वैश्विक मुद्रास्फीति 2022 के मध्य में अपने शिखर स्तर से नीचे आ गई। हालाँकि, जैसे–जैसे मुद्रास्फीति लक्ष्य स्तरों की ओर बढ़ रही है, सेंट्रल बैंक नीति को आसान बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों और भू–राजनीतिक समस्याओं के बीच ने तीव्र घरेलू मांग, विशेष रूप से ग्रामीण मांग, मजबूत निवेश और स्थिर विनिर्माण वृद्धि के दम पर सुदृढ़ रही। मजबूत निवेश गतिविधि के साथ, वित्त वर्ष 2023–24 में वास्तविक जीडीपी में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि पिछले वर्ष के 7.0 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। घरेलू आर्थिक परिदृश्य में उछाल, उपभोक्ता और निवेशकों के बढ़े हुए भरोसे से और भी पुष्ट होता है तथा विभिन्न क्षेत्रों में बढ़े हुए रुझानों से परिलक्षित होता है। वित्त वर्ष 2023–24 में भारत में पूंजी प्रवाह में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया और भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च 2024 में अब तक के उच्चतम स्तर यानी 645.6 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया।

वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, हेडलाइन सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन 5.3% रही, जबकि लक्ष्य 4% (±2%) था। मुद्रास्फीति की घटती हुई ट्रजेक्टरी के बावजूद, छिटपुट खाद्य मूल्य के झटकों ने महत्वपूर्ण अस्थिरता पैदा की। कोर मुद्रास्फीति (जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं है) में गिरावट हुई, जो मार्च 2024 में 3.5% तक पहुँच गई। इस घटती हुई ट्रजेक्टरी

Dear valued stakeholders

On behalf of the Board of Directors and the Management Team, I am pleased to share Annual Report of the Bank for FY 2023-24. This report shares our unwavering commitment to responsible growth, as well as the significant milestones and achievements the Bank has accomplished in the previous financial year.

Global Economy

On the global front, the economy remained remarkably resilient, with steady growth and a declining inflation. The stable growth in economic activities defied warnings of stagflation and global recession. As per the World Economic Outlook Report April 2024 of the International Monetary Fund (IMF), Global growth, estimated at 3.2 per cent in the Calendar Year (CY) 2023, is projected to continue at the same pace in Calendar Years 2024 and 2025. During CY 2023, global inflation descended from its mid-2022 peak as a result of central banks raising policy rates around the world. However, as inflation is converging towards target levels, central banks are pivoting towards policy easing.

Indian Economy

India's economy showed strength amid global challenges and geopolitical issues driven by strong domestic demand, especially rural demand, robust investments, and steady manufacturing growth. Real GDP increased by 8.2 per cent in FY 2023-24, with strong investment activity. It is higher than the growth of 7.0 per cent in the previous year. The buoyant domestic economic landscape is further evidenced by improvements in consumer and investor confidence, reflected in enhanced sentiment across various sectors. Capital inflows in India saw a significant turnaround in FY2023-24 and India's foreign exchange reserves reached an all-time high in March 2024 i.e. $645.6 billion.

During FY 2023-24, headline CPI inflation averaged at 5.3%, vs. the target of 4% (±2%). Despite a declining trajectory of inflation, sporadic food price shocks introduced significant volatility. Core inflation (which excludes food and fuel) followed a downward path, reaching 3.5% in March 2024. In light of this diminishing trajectory,

के मद्देनजर, मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने पूरे वित्त वर्ष 2023–24 में 6.50% की अपरिवर्तित नीति रेपो दर बनाए रखी, जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति नियंत्रण के बीच संतुलन बनाना है।

बैंकिंग उद्योग

वित्त वर्ष 2023–24 पूरे बैंकिंग उद्योग के लिए विशेष रूप से कारोबार वृद्धि, आस्ति गुणवत्ता, लाभप्रदता और पूंजी पर्याप्तता के मामले में असाधारण रूप से अच्छा वर्ष रहा है। भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने शानदार प्रदर्शन किया है, वित्त वर्ष 2023–24 के लिए मुनाफा 1.4 ट्रिलियन रुपये को पार कर गया, जबकि वित्त वर्ष 2022–23 में यह 1.1 ट्रिलियन रुपये था। पीएसबी का बाजार प्रदर्शन बढ़ते बाजार पूंजीकरण में परिलक्षित हुआ और वर्ष के दौरान स्टॉक रिटर्न में भी सुधार हुआ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSB) की आस्ति गुणवत्ता ने वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान सकारात्मक रुझान प्रदर्शित किया। सकल गैर–निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) और शुद्ध गैर–निष्पादित आस्तियां (एनएनपीए) दोनों एक दशक के अपने सबसे निचले स्तर पर आ गईं। इसके अतिरिक्त, जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) विनियामक सीमा से पर्याप्त अधिक रहा। इस उपलब्धि का श्रेय आस्ति गुणवत्ता को बढ़ाने, डिजिटलीकरण को अपनाने और विभिन्न स्तरों पर रणनीतिक सुधारों को लागू करने पर केंद्रित ठोस प्रयासों को दिया जा सकता है।

आपके बैंक की गतिविधियां

पूरे वर्ष के दौरान, बैंक ने विनियामक अनुपालन सुनिश्चित करते हुए और कॉरपोरेट अभिशासन मानदंडों का पालन करते हुए सभी क्षेत्रों को ऋण प्रदान करके आर्थिक पुनरुद्धार में सहयोग करना जारी रखा।

अब मैं वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान आपके बैंक के वित्तीय और परिचालनगत प्रदर्शन के बारे में बताना चाहूंगा।

कारोबार में विकास की गति को बनाए रखना

31 मार्च 2024 को बैंक का वैश्विक कारोबार बढ़कर 23,53,038 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें वैश्विक अग्रिम 9,83,325 करोड़ रुपये और वैश्विक जमा 13,69,713 करोड़ रुपये था। बैंक ने कासा जमा पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा है, जिसमें 31 मार्च, 2024 को चालू जमा 72,201 करोड़ रुपये और बचत जमा 4,80,298 करोड़ रुपये है। 31 मार्च, 2024 तक को कुल कासा जमा 5,52,499 करोड़ रुपये था, जबकि 31 मार्च, 2023 को यह 5,38,015 करोड़ रुपये था। 31 मार्च, 2024 को कासा का हिस्सा 41.44 प्रतिशत था।

लाभ में निरंतरता और अनुपात में सुधार

वित्त वर्ष 2023–24 में लाभप्रदता मापदंडों में लगातार वृद्धि देखी गई। बैंक का परिचालन लाभ वित्त वर्ष 2023–24 में 24,931 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2022–23 में यह 22,529 करोड़ रुपये था। इस प्रकार शुद्ध ब्याज आय में सालाना आधार पर 16.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की मदद से 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आस्ति गुणवत्ता में सुधार के कारण वित्त वर्ष 2023–24 में शुद्ध लाभ 225 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 8245 करोड़ रुपये हो गया।

वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, आस्तियों पर प्रतिलाभ और इक्विटी पर प्रतिलाभ बढ़कर क्रमशः 0.54 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2022–23 में 0.18 प्रतिशत) और 11.66 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2022–23 में 3.94 प्रतिशत) हो गए। उत्पादकता के मुख्य मापदंड, प्रति कर्मचारी कारोबार और प्रति शाखा

the Monetary Policy Committee (MPC) maintained an unchanged policy repo rate of 6.50% throughout FY 2023-24, aiming to strike a balance between economic growth and inflation control.

Banking Industry

FY 2023-24 has been an exceptionally good year for the entire banking industry particularly in terms of Business growth, Asset Quality, Profitability and Capital Adequacy. Public sector banks in India have posted a stellar performance, with profits crossing Rs.1.4 trillion for FY 2023-24 vis-à-vis Rs.1.1 trillion in FY 2022-23. PSBs' market performance was reflected in soaring Market Capitalisation and stock return also improved during the year.

The asset quality of Public Sector Banks (PSBs) exhibited positive trends during FY 2023-24. Both gross non-performing assets (GNPA) and net non-performing assets (NNPA) declined to their lowest levels in a decade. Additionally, the Capital to Risk-Weighted Assets Ratio (CRAR) remained comfortably above the regulatory limit. This achievement can be attributed to the concerted efforts focused on enhancing asset quality, embracing digitalization and implementing strategic reforms at various levels.

Developments in your Bank

Throughout the year, the Bank continued to support the economic revival by way of extending credit to all the sectors while ensuring regulatory compliances and adhering to corporate governance norms.

Now I would like to place your Bank's financial and operational performance during FY 2023-24.

Sustaining the growth momentum in Business

As on 31st March 2024, the Bank's Global Business grew to Rs. 23,53,038 Crore with Gross Global Advances at Rs.9,83,325 Crore and Global Deposit at Rs.13,69,713 Crore. The Bank has continued to focus on CASA deposits with current Deposit at Rs.72,201 Crore and Saving Deposits at Rs.4,80,298 Crore as on 31st March, 2024. Overall CASA Deposits as on 31st March, 2024 stood at Rs.5,52,499 Crore as against Rs. 5,38,015 Crore as on 31st March, 2023. CASA Share was at 41.44 per cent as on 31st March, 2024.

Consistency in Profit and improving ratios

FY 2023-24 saw a consistent rise in profitability parameters. Bank's Operating Profit was at Rs. 24,931 Crore in FY 2023-24 vis-à-vis Rs. 22,529 Crore in FY 2022-23 registering the growth of 10.7 per cent with the help of strong growth of 16.2 per cent year on year basis in Net Interest Income. Net Profit grew by more than 225 per cent to Rs.8245 Crore in FY 2023-24 on account of improving asset quality.

During FY 2023-24, Return on Assets and Return on Equity improved to 0.54 per cent (0.18 per cent in FY 2022-23) and 11.66 per cent (3.94 per cent in FY 2022-23) respectively. The key productivity parameters, Business per employee and Business per branch increased to Rs.2384 Lakh and Rs. 22,525 Lakh respectively as on 31st March 2024 from

कारोबार 31 मार्च 2024 को क्रमशः 2384 लाख रुपये और 22,525 लाख रुपये हो गया, जबकि 31 मार्च 2023 को यह क्रमशः 2164 लाख रुपये और 20,953 लाख रुपये था। वित्त वर्ष 2023–24 में घरेलू और वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) क्रमशः 3.23 प्रतिशत और 3.09 प्रतिशत पर रहा।

रिटेल, कृषि और एमएसएमई (रैम) पर फोकस

बैंक ने अपने ऋण विकास में सुधार लाने और अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए उच्च प्रतिफल देने वाले रिटेल, कृषि और एमएसएमई (आरएएम) खंड को यथोचित महत्व देना जारी रखा। 31 मार्च, 2024 को रैम अग्रिम 5,20,050 करोड़ रुपये रहे, जो वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जिसमें घरेलू अग्रिमों में रैम की हिस्सेदारी 55.2 प्रतिशत है।

रैम के अंतर्गत, **रिटेल खंड** में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 31 मार्च 2024 को यह 2,22,574 करोड़ रुपये रहा।

कृषि खंड में भी 11.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 1,58,188 करोड़ रुपये रहा, जबकि एमएसएमई खंड में 7.0 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 31 मार्च, 2024 को 1,39,288 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, एमएसएमई ग्राहक जो एमएसएमई की श्रेणी से आगे निकल गए और उन्हें मध्य कॉर्पोरेट ग्राहकों के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया। तदनुसार, यदि 31 मार्च, 2023 को आधार आंकड़ों में पुनर्वर्गीकरण के प्रभाव को ध्यान में रखा जाता है, तो वर्ष–दर–वर्ष आधार पर एमएसएमई की वृद्धि 12.0% होगी।

आस्ति गुणवत्ता में सुधार–पहले से बेहतर प्रदर्शन

बैंक ने आस्ति गुणवत्ता बढ़ाने पर अपना ध्यान केंद्रित रखा और ये प्रयास क्रमिक रूप से सकल और शुद्ध एनपीए के आंकड़ों में कमी के रूप में परिलक्षित हुए। सकल एनपीए 31 मार्च, 2023 के 77,328 करोड़ रुपये के स्तर से घटकर 31 मार्च, 2024 को 56,343 करोड़ रुपये हो गए, जो कि वर्ष–दर–वर्ष की तुलना में 16.4 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। शुद्ध एनपीए 31 मार्च, 2023 के 22,585 करोड़ रुपये के स्तर से घटकर 31 मार्च, 2024 को 6,799 करोड़ रुपये हो गए, जो कि वर्ष–दर–वर्ष की तुलना में 69.9 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

सकल एनपीए अनुपात 301 बीपीएस सुधरकर 5.73 प्रतिशत हो गया, शुद्ध एनपीए अनुपात 31 मार्च 2024 को 1 प्रतिशत से नीचे आ गया और 0.73 प्रतिशत रहा, इस प्रकार 31 मार्च 2023 की तुलना में 199 बीपीएस की कमी देखी गई। प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) (टीडब्ल्यूओ सहित) 31 मार्च 2023 के 86.9 प्रतिशत से बढ़कर 31 मार्च 2024 को 95.4 प्रतिशत हो गया, जो 850 बीपीएस का सुधार दर्शाता है।

आस्ति गुणवत्ता में बैंक की स्थिति मुख्य रूप से बेहतर वसूली और स्लिपेज को रोकने के कारण बेहतर हुई। वित्त वर्ष 2022–23 में आपके बैंक की वसूली स्लिपेज का 1.4 गुना थी जो वित्त वर्ष 2023–24 में बढ़कर 2.7 गुना हो गई। आस्ति गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान देने वाले कारकों में समर्पित टेली–कॉलिंग अभियान और एनपीए उधारकर्ताओं की फील्ड विजिट शामिल थे। कॉर्पोरेट स्तर पर भी वसूली बढ़ाने और स्लिपेज को रोकने के लिए पूरा समर्थन और सहभागिता प्रदान की गई। वर्ष के दौरान, बैंक ने वसूली प्रक्रिया में सहायता के लिए पीएनबी–समर्थ जैसे पोर्टल का लाभ उठाया और 10 लाख रुपये तक के पात्र खातों में एनपीए वसूली के लिए डिजिटल ओटीएस (ई–ओटीएस) पुनर्गठित किया गया।

Rs. 2164 Lakh and Rs. 20, 953 Lakh respectively as on 31st March 2023. The domestic and global Net Interest Margin (NIM) was robust at 3.23 per cent and 3.09 per cent respectively in FY 2023-24.

Focus on RAM

The Bank continued to give due importance to high yielding Retail, Agriculture and MSME (RAM) segment to improve its lending growth and diversify its portfolio. RAM Advances as on 31st March, 2024 stood at Rs. 5,20,050 Crore showing year on year growth of 10.7 per cent with RAM share to Domestic Advances at 55.2 per cent.

Under RAM, **Retail Segment** showed a growth of 12.6 per cent and stood at Rs.2,22,574 Crore as on 31st March 2024.

Agriculture segment also showed a growth of 11.3 per cent and stood at Rs.1,58,188 Crore while **MSME segment** showed the growth of 7.0 per cent and was Rs.1,39,288 Crore as on 31st March 2024. During FY 2023-24, MSME customers who graduated beyond MSME and were reclassified as mid corporate customers. Accordingly, if the impact of reclassification is taken into account in the base figures as on 31st March, 2023, then MSME growth would be 12.0% year on year basis.

Asset Quality Improvement-Performing better than before

The Bank maintained its focus on enhancing asset quality and these efforts were reflected by way of reduction in Gross and Net NPA numbers sequentially. Gross NPA reduced to Rs. 56,343 Crore as on 31st March, 2024 from the level of Rs.77,328 Crore as on 31st March, 2023 showing a decline of 16.4 per cent on YoY. Net NPA declined to Rs 6,799 Crore as on 31st March, 2024 from the level of Rs. 22,585 Crore as on 31st March, 2023 registering a year on year decline of 69.9 per cent.

Gross NPA ratio improved by 301 bps to 5.73 per cent, Net NPA ratio came below 1 per cent as on 31st March 2024 and was at 0.73 per cent hence showing a reduction by 199 bps over 31st March 2023. Provision Coverage Ratio (PCR) (incl. TWO) moved upto 95.4 per cent as on 31st March 2024 from 86.9 per cent as on 31st March 2023 showing an improvement of 850 bps.

The Bank's position in Asset Quality improved mainly on the back of the improved recovery and arresting slippages. Your Bank's recovery was 1.4 times of slippages in FY 2022-23 which increased to 2.7 times in FY 2023-24. The factors which contributed in improving asset quality included dedicated tele-calling campaigns and field visits to NPA borrowers. At corporate level also, there was full support and involvement for enhancing recovery and arresting slippages. During the year, the Bank leveraged portals like PNB- SAMARTH for aiding recovery process and re-vamped digital OTS (e-OTS) offering for NPA recovery for eligible accounts upto Rs.10 Lakh.

सुदृढ़ पूंजी

बैंक सतत विकास के लिए पर्याप्त पूंजी सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान दे रहा है। 31 मार्च 2024 तक पूंजी पर्याप्तता अनुपात 15.97 प्रतिशत पर पहुंच गया, जबकि 31 मार्च 2023 को यह 15.50 प्रतिशत था। 31 मार्च 2024 को टियर 1 अनुपात 13.17 प्रतिशत और टियर 2 अनुपात 2.80 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान बैंक ने अतिरिक्त टियर। (AT I) बॉण्ड के माध्यम से 6012 करोड़ रुपये और टियर II बॉण्ड के माध्यम से 3090 करोड़ रुपये जुटाए।

बैंक ने उच्च रेटिंग वाले उधारकर्ताओं पर ध्यान केंद्रित करके जोखिम भारित आस्तियों को अनुकूलित करने पर भी जोर दिया।

इसके अलावा, आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान एक या एक से अधिक चरणों में 7500 करोड़ रुपये तक की कुल राशि के लिए इक्विटी पूंजी जुटाने हेतु बोर्ड और शेयरधारकों से स्वीकृति ले ली है, जो कि उपयुक्त बाजार दशाओं और वैधानिक मंजूरी के आधार पर क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट (क्यूआईपी)/फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) या किसी अन्य अनुमत मोड या इसके संयोजन के माध्यम से है। इसके अलावा, बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान बॉण्ड के माध्यम से 10000 करोड़ रुपये (7000 करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त टियर–I और 3000 करोड़ रुपये तक के टियर–II बॉण्ड) तक की पूंजी जुटाने की अनुमति दी है।

लाभांश

वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान बैंक ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया और उद्योग में अपनी स्थिति सुदृढ़ की। इसके अलावा, बैंक के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों को वर्ष 2023–24 के लिए 2 रुपये अंकित मूल्य के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 1.50 रुपये (यानी 75%) का लाभांश देने की संस्तुति की है, जो वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन है। जबकि वित्त वर्ष 2022–23 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 0.65 रुपये लाभांश वितरित किया गया था, यह हमारे सम्मानित शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

ग्राहक सेवा

आपका बैंक मानता है कि इस तीव्र प्रतिस्पर्धा के युग में, ग्राहक सेवा की गुणवत्ता एक महत्वपूर्ण विभेदक के रूप में कार्य करती है, विशेष रूप से सेवा उद्योग में। इस दिशा में, आपके बैंक ने ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने और इस प्रकार बैंकिंग को सुविधाजनक बनाने के लिए कई एंड–टू–एंड डिजिटल उत्पाद और प्रक्रियाएँ शुरू की हैं, जैसे चालू और बचत (कासा) खातों का टैब–आधारित खाता खोलना, डिजिटलीकृत आवास ऋण और शिक्षा ऋण।

इसके अलावा, बैंक ने ग्राहकों की समस्याओं का त्वरित और सुविधाजनक तरीके से समाधान करने की दिशा में पर्याप्त प्रयास करना भी सुनिश्चित किया है। प्रभावी शिकायत निवारण की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए बैंक ने कॉल सेंटर में सुधार, संचार चैनलों को सुव्यवस्थित और शिकायत समाधान तंत्र को डिजिटल करना शुरू किया है। वित्त वर्ष 2022–23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023–24 में प्राप्त डिजिटल शिकायतों की संख्या में 20 प्रतिशत और गैर–डिजिटल शिकायतों की संख्या में 22 प्रतिशत की कमी आई है।

डिजिटल पहचान

प्रौद्योगिकी ने बैंकिंग के तरीके में क्रांति ला दी है और अधिक सुविधाजनक,

Sound Capital

The Bank has been laying adequate focus on ensuring adequate capital to meet the sustainable growth. The Capital Adequacy Ratio reached at 15.97 per cent as on 31st March 2024 as against 15.50 per cent in as on 31st March 2023. Tier 1 ratio was at 13.17 per cent and Tier 2 was at 2.80 per cent as on 31st March 2024. During FY 2023-24, the Bank raised Rs. 6012 Crore through Additional Tier I (AT I) Bonds and Rs.3090 Crore through Tier II Bonds.

The Bank also emphasised on optimising Risk weighted Assets by focusing on high rated borrowers.

Further, your Bank has taken approval from Board and Shareholders for raising of equity capital for an amount aggregating up to Rs.7500 Crore in one or more tranches during FY 2024-25, through Qualified Institutions Placement (QIP)/Follow on Public Offer (FPO) or any other permitted mode or a combination thereof. Further, Board has accorded permission for raising Capital through Bonds up to Rs.10000 Crore (Additional Tier-I up to Rs.7000 Crore and Tier-II bonds up to Rs.3000 Crore) during FY2024-25.

Dividend

Throughout FY 2023-24, the Bank performed remarkably well and consolidated its position in the industry. Further, the Board of Directors of the Bank have recommended a dividend of Rs.1.50/- per equity share (i.e. 75%) of face value of Rs.2/- each to the Shareholders for the year 2023-24, subject to the approval of the Shareholders at the AGM. This is as compared to the dividend of Rs. 0.65/- per equity share distributed for FY 2022-23 and is testimony to our commitment to value creation for our esteemed shareholders.

Customer Service

Your Bank believes that in the era of intense competition, the quality of customer service serves as a significant differentiator, especially in a service industry. In this direction, your Bank has launched several end to end digital products and process like tab-based account opening of Current and Saving (CASA) accounts, digitalised home loan and education loan to meet customer expectations and thus providing ease of banking.

In addition to it, the Bank also ensured to make adequate efforts in the direction by way of resolving customer queries promptly and conveniently. Recognizing the critical role of efficient grievance redressal bank has undertaken call centre revamp, streamlined communication channels and digitalised complaint resolution mechanism. There has been 20 per cent reduction in number of digital complaints and 22 per cent reduction in number of non-digital complaints received in FY 2023-24 over FY 2022-23.

Digital Footprints

Technology has revolutionised the way banking is done and has

सुलभ और सुरक्षित वित्तीय सेवाएँ सुनिश्चित की हैं। वर्तमान समय की प्रवृत्ति और आवश्यकता के अनुरूप, बैंक ने भी इस दिशा में कई कदम उठाए हैं और श्रेष्ठ ग्राहक अनुभव के लिए कई डिजिटल उत्पाद और सेवाएँ पेश की हैं।

आपके बैंक ने अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ सेवाएँ प्रदान करने के लिए कई उत्पाद, प्रक्रियाएँ और पोर्टल लॉन्च किए हैं। इनमें से कुछ उत्पादों और सेवाओं में प्री–अप्रूव्ड बिजनेस लोन (पीएबीएल), जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल किसान क्रेडिट कार्ड, डिजी होम लोन, नए बैंक ग्राहकों (एनटीबी) के लिए डिजिटल पर्सनल लोन (पीएनबी–स्वागत), ई–पीएम स्वनिधि, ई–जीएसटी एक्सप्रेस, ई–बीजी शामिल हैं। इन उत्पादों, प्रक्रियाओं और पोर्टलों ने न केवल व्यवसाय वृद्धि के अवसर प्रदान किए हैं, बल्कि हमारे वसूली प्रयासों, ग्राहक सेवा, ऋण निगरानी आदि को भी गति दी है। बैंक ने उद्योग को कई प्रथम पेशकशों का दावा किया है जो आपके बैंक के लिए गर्व की बात है। बैंक के डिजिटल प्रयासों पर बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में विस्तार से चर्चा की गई है।

आपके बैंक के मोबाइल ऐप पीएनबी वन को अपने सभी ग्राहकों को अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए अपग्रेड किया गया था। इसके लिए, बैंक ने स्कैनर, जूम इन और जूम आउट सुविधा, फ्लैशलाइट और गैलरी से स्कैन जैसी अतिरिक्त सुविधाएँ भी शुरू की हैं। इसके अलावा, रुपे क्रेडिट कार्ड को व्यक्ति से मर्चेंट (P2M) भुगतान के लिए पीएनबी वन से जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा, सावधि जमा/आवर्ती जमा खोलने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। साथ ही, पीएनबी वन पर, ग्राहक सभी बैंकों के खातों का एकीकृत रूप से देख सकते हैं। इन प्रयासों के कारण, मोबाइल बैंकिंग लेनदेन की मात्रा वित्त वर्ष 2022–23 में 2.82 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023–24 में 5.40 करोड़ हो गई।

पीएनबी उड़ान के माध्यम से मानव संसाधन का रूपांतरण

सबसे मूल्यवान आस्तियों अर्थात मानव संसाधन में क्रांति लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आपके बैंक ने प्रोजेक्ट उड़ान के साथ एक महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की है। यह पहल अत्याधुनिक मानव संसाधन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने, डेटा–संचालित निर्णयों को बढ़ावा देने और समावेशिता और समान अवसर देने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई है। नवीनतम डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाकर, प्रोजेक्ट उड़ान मानव संसाधन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अनुकूलित शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से भविष्य के नेताओं का पोषण करना और कार्यनिष्पादन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्नत एनालिटिक्स का उपयोग करना है।

प्रोजेक्ट उड़ान के तहत तीन वर्षों की व्यापक योजना ने अपने पहले वर्ष में ही सफलता प्राप्त की है, जिसमें उद्योग की सर्वोत्तम पद्धतियों से मेल खाने वाली क्षमताएँ हैं। जैसे–जैसे बैंक दूसरे वर्ष में आगे बढ़ रहा है, बैंक का लक्ष्य नवोन्मेष प्रणालियों और प्रक्रियाओं को लागू करके अपेक्षाओं को पार करना है। तीसरे वर्ष के अंत तक, आपका बैंक मोबाइल एप्लिकेशन और उन्नत एनालिटिक्स उपयोग मामलों सहित अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की इच्छा रखता है।

प्रोजेक्ट उड़ान के पहले वर्ष में कई डिजिटल उपकरण और नई पहलें विकसित और लॉन्च की गई हैं, जो प्रदर्शन प्रबंधन और क्षमता निर्माण पर केंद्रित हैं। इनमें रोल क्लैरिटी टूल, टारगेट सेटिंग और कोलेशन टूल, पीएमएस प्रोफाइलर और परफॉरमेंस डैशबोर्ड शामिल हैं, जो सभी भूमिका

ensured more convenient, accessible and secure financial services. In line with the trend and requirement of the present time, the Bank has also taken various steps in this direction and come out with digital products and services for the superior customer experience.

Your Bank has launched multiple products, processes and portals for providing best in class services to its customers. Some of these products and services include Pre-Approved Business Loans (PABL), Digital Kisan Credit Cards through Jan Samarth Portal, Digi Home Loans, Digital Personal Loan to New To Bank (NTB) Customers (PNB-Swagat), e-PM SVANidhi, e-GST Express, e-BG. These products, processes and portals have not only provided opportunities for Business growth but also paced up recovery efforts, customer service, credit monitoring, etc. The Bank has acclaimed to have many Industry-first offerings which is the matter of pride for your Bank. The digital efforts of the Bank has been discussed in detail in the Annual Report of the Bank.

Your Bank's mobile app PNB ONE was upgraded to provide more convenience to all its customers. Towards it, the Bank has also introduced additional features such as scanner, zoom in and zoom out facility, flashlight and scan from gallery. In addition to it, RuPay Credit Card can be linked to PNB ONE for Person 2 Merchant (P2M) payments. Further, Fixed Deposit/Recurring Deposits opening journeys have been made simple. Also, on PNB ONE, customers can get a unified view of all the banks accounts. Owing to these efforts made, Mobile banking transaction volume increased to 5.40 Crore in FY 2023-24 from 2.82 Crore in FY 2022-23.

Transforming HR via PNB UDAAN

In a significant move towards revolutionizing the most valuable assets i.e., human resources, your Bank has embarked on an ambitious journey with Project UDAAN. This initiative is designed to create a cutting-edge HR ecosystem, fostering data-driven decisions and promoting a culture of inclusivity and equal opportunity. By leveraging the latest digital tools, Project UDAAN is all set to enhance transparency and efficiency in HR processes. A key focus of this initiative is nurturing future leaders through tailored learning programs and utilizing advanced analytics to meet performance needs.

The comprehensive three-year plan under Project UDAAN has already demonstrated success in its first year, with capabilities matching industry best practices. As the Bank progresses into the second year, the aim of the Bank is to surpass expectations by implementing innovative systems and processes. By the end of the third year, your Bank aspires to launch state-of-the-art digital platforms, including mobile applications and advanced analytics use cases.

A multitude of digital tools and initiatives have been developed and launched in the first year of Project UDAAN, focusing on performance management and capability building. These include the Role Clarity Tool, Target Setting and Collation Tool, PMS Profiler, and Performance Dashboards, all of which are designed to enhance role clarity and

स्पष्टता और वस्तुनिष्ठ प्रदर्शन मूल्यांकन को बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, रूपांतरण प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए मानवशक्ति आकलन, भर्ती और पदोन्नति के लिए उपकरण पेश किए गए हैं। पोस्टिंग टूल और संशोधित जॉब फैमिली आवंटन ढांचा वैज्ञानिक और पारदर्शी प्लेसमेंट सुनिश्चित करता है, जिससे प्रदर्शन–संचालित संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।

प्रोजेक्ट उड़ान का व्यापक दृष्टिकोण नेतृत्व विकास और परिवर्तन प्रबंधन तक फैला हुआ है, जिसमें जागरूकता, जुड़ाव एवं नई पद्धतियों को अपनाने के लिए डिजाइन किए गए व्यापक कार्यक्रम और पहल शामिल हैं। नेतृत्व विकास कार्यक्रम ने 900 से अधिक मध्य–प्रबंधकों और वरिष्ठ नेतृत्व को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है, उन्हें सर्वश्रेष्ठ श्रेणी के कौशल से पूर्ण किया है। भविष्य में, उड़ान 2.0 का लक्ष्य पुरस्कार और मान्यता की नई पद्धति, एक कर्मचारी कौशल मूल्यांकन प्लेटफॉर्म और एक आधुनिक शिक्षण और विकास इकोसिस्टम आरंभ करना है। एचआर एनालिटिक्स उपयोग मामलों की एक समृद्ध लाइब्रेरी विकसित करके, आपके बैंक का लक्ष्य मानव संसाधन प्रक्रियाओं और कर्मचारी जुड़ाव को बढ़ाकर, अंततः बैंक के लिए एक विश्व स्तरीय प्रतिभा पूल का निर्माण करना है।

पुरस्कार और प्रशंसा

बैंक के प्रदर्शन को विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर पर्याप्त रूप से मान्यता मिली, जिससे आपके बैंक का उत्साह बढ़ा। इनमें उल्लेखनीय है ईज 5.0 के तहत बैंक की तीसरी रैंक। बैंक ईज के 2 थीम अर्थात डिजिटल सक्षम ग्राहक पेशकश एवं बिग डेटा और एनालिटिक्स के तहत दूसरे स्थान पर रहा। आपके बैंक को ASSOCHAM द्वारा सर्वश्रेष्ठ एमएसएमई बैंक भी चुना गया। आपके बैंक को आईबीए और ट्रांसयूनियन (TU) सिबिल द्वारा आयोजित पीएसबी के महाप्रबंधकों के वार्षिक सम्मेलन के दौरान 2023–24 के लिए "कमर्शियल ब्यूरो सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ डेटा क्वालिटी" के लिए भी मान्यता दी गई और सीआरआईएफ इनफोकस सेमिनार के दौरान सीआरआईएफ हाईमार्क द्वारा उपभोक्ता ब्यूरो सेगमेंट में डेटा एक्सीलेंस पुरस्कार दिया गया।

बैंक के पुरस्कारों और उपलब्धियों की सूची में इंटरनेशनल इन्क्लूजन एलायन्स की जूरी द्वारा जेंडर इन्क्लूजन में उत्कृष्टता पुरस्कार भी शामिल है। आपके निरंतर सहयोग से, बैंक भविष्य में भी पुरस्कारों और उपलब्धियों की सूची में बढ़ोतरी करता रहेगा।

भावी योजनाएं

वित्तीय वर्ष 2024–25 आशाजनक लग रहा है क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि की गति बनी रहने की संभावना है। सरकार का ध्यान, डिजिटलीकरण एवं व्यापार करने की सुलभता, नवीकरणीय ऊर्जा और वित्तीय समावेशन सहित बुनियादी ढाँचे आदि पर ध्यान केंद्रित करके निरंतर, न्यायोचित तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर रहेगा। मुद्रास्फीति लक्ष्य की ओर बढ़ने के साथ आर्थिक गतिविधियाँ लचीलापन दिखा रही हैं। इसका नकारात्मक जोखिम भू–राजनीतिक स्थिति है जो वित्तीय वर्ष 2024–25 के वास्तविक विकास पथ को निर्धारित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाती रहेगी। बैंकिंग क्षेत्र परिदृश्य की बात करें तो बैंकिंग उद्योग बेहतर ऋण वृद्धि दृष्टिकोण, सुदृढ़ पूंजी पर्याप्तता और उन्नत आस्ति गुणवत्ता के साथ बेहतर स्थिति में है।

भविष्य में, आपका बैंक प्रमुख प्राथमिकताओं, रणनीतिक लक्ष्यों और आगे आने वाले रोमांचक अवसरों पर काम करना जारी रखेगा। आपका बैंक श्रेष्ठ

objective performance evaluations. Additionally, tools for manpower assessment, recruitment, and promotions have been introduced to strengthen the transformation process. The Postings Tool and revamped job family allocation framework ensure scientific and transparent placements, fostering a performance-driven culture.

Project UDAAN's comprehensive approach extends to leadership development and change management, with extensive programs and initiatives designed to drive awareness, engagement, and adoption of new methodologies. The Leadership Development Program has successfully trained over 900 mid-managers and senior leaders, equipping them with best-in-class skills. Looking ahead, UDAAN 2.0 aims to introduce a revamped Rewards and Recognition framework, an Employee Skill Assessment platform, and a modernized Learning & Development ecosystem. By developing a rich library of HR analytics use cases, your Bank aims to enhance HR processes and employee engagement, ultimately building a world-class talent pool for the Bank.

Awards and Accolades

The Bank's performance was adequately recognised at various prestigious forums which added to the spirits of your Bank. Notable among them is Bank's 3rd Rank under EASE 5.0. The Bank also stood 2nd under 2 themes of EASE i.e., Digital Enabled Customer Offerings and Big Data & Analytics. Your Bank was also adjudged Best MSME Bank by ASSOCHAM. Your Bank was recognised for "Best Data Quality in Commercial Bureau Segment" for 2023-24 during the Annual Conference of General Managers of PSBs organized by IBA & TransUnion (TU) CIBIL and Data Excellence Award in Consumer Bureau segment by CRIF Highmark during CRIF InFocus Seminar.

The Bank's list of awards and accolades also included Excellence in Gender Inclusion Award by jury of International Inclusion Alliance. With your constant support, the Bank would continue to add to list of laurels and accolades in future also.

Looking Ahead

Financial Year 2024-25 looks promising as Indian Economy is likely to maintain growth momentum. The government focus will continue to promote sustained, equitable and inclusive growth by focusing on Digitalisation & Ease of Doing Business, Infrastructure including Renewable Energy and Financial Inclusion, etc. Economic activities are showing resilience with inflation pivoting towards target. The downside risk to this is the geopolitical situation which will continue to play a major role in determining the actual growth path of Financial Year 2024-25. Coming to Banking sector outlook, banking industry is in better position with healthy credit growth outlook, sound capital adequacy and enhanced asset quality.

Going forward, your Bank will continue to work on key priorities, strategic goals, and the exciting opportunities that lie ahead. Your

ग्राहक अनुभव और परिचालन दक्षता प्रदान करने के लिए डिजिटलीकरण पर जोर देना जारी रखेगा। आपका बैंक वित्तीय समावेशन से संबंधित पहलों का विस्तार करना भी सुनिश्चित करेगा, जिससे आबादी के बैंकरहित और कम बैंकिंग सुविधा वाले वर्गों तक पहुँच बनाई जा सके।

वित्त वर्ष 2024–25 में, बैंक आगे डिजिटलीकरण, बेहतर कर्मचारी–केन्द्रीयता, रैम और कासा पोर्टफोलियो निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और बाजार हिस्सेदारी में सुधार के माध्यम से सतत विकास हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जबकि वित्तीय स्थिरता और संभावित जोखिमों को कम करने के लिए सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन पद्धतियों के प्रति आपके बैंक की प्रतिबद्ध ता को दोहराता है।

ग्राहक केन्द्रीयता आगे भी विकसित होगी और बैंक का अटूट ध्यान असाधारण ग्राहक सेवा प्रदान करने और मजबूत ग्राहक संबंध बनाने पर होगा। प्रतिभाशाली टीम, अभिनव रणनीतियों और हमारे मूल मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ, हम विकसित हो रहे वित्तीय परिदृश्य को नेविगेट करने और पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ बनने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

मैं बोर्ड के सभी सदस्यों का उनके भरोसे, विश्वास और सक्रिय सहयोग के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। मैं वित्त मंत्रालय और भारतीय रिज़र्व बैंक को उनके समर्थन तथा मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद देता हूँ। मैं इस अवसर पर हमारे सभी हितधारकों को बैंक में उनके अटूट विश्वास के लिए भी तहे दिल से धन्यवाद देता हूँ। मैं इस यात्रा में हमारे ग्राहकों से प्राप्त निरंतर संरक्षण के लिए भी आभार व्यक्त करता हूँ। मैं अपने सभी कर्मचारियों को वर्ष के दौरान उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।

आपका,

(अतुल कुमार गोयल)
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

Bank will continue to emphasize on digitalization for delivering superior customer experience and operational efficiency. Your Bank will also ensure expanding financial inclusion initiatives, reaching unbanked and underbanked segments of the population.

In FY 2024-25, the Bank is all set to achieve sustainable growth through further digitisation, improved employee-centricity, focus on RAM and CASA portfolio build-up, and improving market share while reiterating your Bank's commitment to robust risk management practices to ensure financial stability and mitigation of potential risks.

Customer Centricity will evolve further and the Bank's unwavering focus will be on providing exceptional customer service and building strong customer relationships. With talented team, innovative strategies, and unwavering commitment to our core values, we are well-positioned to navigate the evolving financial landscape and emerge stronger than ever.

I would like to express my gratitude to all members of the Board for their trust, faith and active association. I also thank the Ministry of Finance and Reserve Bank of India for their support and guidance. I also take this opportunity to wholeheartedly thank all our stakeholders for their unequivocal trust in the Bank. I would also like to acknowledge the continuous patronage we have received in this journey from our customers. I thank all our employees for their unstinted support during the year.

Yours Sincerely,

(Atul Kumar Goel)
Managing Director & CEO

निदेशक मंडल/Board of Directors

श्री के.जी. अनंतकृष्णन
गैर - कार्यपालक अध्यक्ष
Shri K G Ananthakrishnan
Non-Executive Chairman

श्री अतुल कुमार गोयल
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
Shri Atul Kumar Goel
Managing Director & Chief Executive Officer

कार्यपालक निदेशक/Executive Directors

श्री कल्याण कुमार
कार्यपालक निदेशक
Shri Kalyan Kumar
Executive Director

श्री बिनोद कुमार
कार्यपालक निदेशक
Shri Binod Kumar
Executive Director

श्री एम.परमशिवम
कार्यपालक निदेशक
Shri M. Paramasivam
Executive Director

श्री बिभु प्रसाद महापात्र
कार्यपालक निदेशक
Shri Bibhu Prasad Mahapatra
Executive Director

निदेशक/Directors

श्री पंकज शर्मा
भारत सरकार के नामित निदेशक
Shri Pankaj Sharma
Govt. of India Nominee Director

श्रीमती उमा शंकर
भारतीय रिजर्व बैंक की नामित निदेशक
Smt Uma Sankar
Reserve Bank of India Nominee Director

श्री पंकज जोशी
अंशकालिक गैर - सरकारी निदेशक
Shri Pankaj Joshi
Part Time Non-Official Director

श्री संजीव कुमार सिंघल
अंशकालिक गैर - सरकारी निदेशक
Shri Sanjeev Kumar Singhal
Part Time Non-Official Director

डॉ. रेखा जैन
शेयरधारक- निदेशक
Dr Rekha Jain
Shareholder Director

श्री जतिन्दर सिंह बजाज
शेयरधारक-निदेशक
Shri Jatinder Singh Bajaj
Shareholder Director

मुख्य महाप्रबंधक (प्रधान कार्यालय)/Chief General Managers (Head Office)

श्री दिलीप कुमार जैन
Shri Dilip Kumar Jain

श्री वी सुंदरेसन
Shri V Sundaresan

श्री अमित कुमार श्रीवास्तव
Shri Amit Kumar Srivastava

श्री हेमंत वर्मा
Shri Hemant Verma

श्री संजय वार्ष्णेय
Shri Sanjay Varshneya

श्री राकेश ग्रोवर
Shri Rakesh Grover

श्री संजीवन नीखर
Shri Sanjeevan Nikhar

श्री राकेश गांधी
Shri Rakesh Gandhi

श्री राजीवा
Shri Rajeeva

श्री सुनील कुमार चुघ
Shri Sunil Kumar Chugh

श्री एस के राणा
Shri S K Rana

श्री सुनील कुमार गोयल
Shri Sunil Kumar Goyal

श्री संजय गुप्ता
Shri Sanjay Gupta

श्री सुनील अग्रवाल
Shri Sunil Agrawal

श्री अमरेश प्रसाद
Shri Amresh Prasad

अंचल प्रबंधक (मुख्य महाप्रबंधक)/Zonal Managers (Chief General Managers)

श्री समीर बाजपेयी
Shri Sameer Bajpai

श्री फिरोज हसनैन
Shri Firoz Hasnain

मुख्य महाप्रबंधक (ओवरसीज)/Chief General Manager (Overseas)

श्री बिनय कुमार गुप्ता
Shri Binay Kumar Gupta

BLANK PAGE

विषय सूची

	पृष्ठ सं.
नोटिस	1–40
निदेशकों की रिपोर्ट	41–84
प्रबंधन परिचर्चा एवं विश्लेषण	85–127
कॉरपोरेट अभिशासन पर लेखापरीक्षकों का प्रमाणपत्र	128–129
कॉरपोरेट अभिशासन पर रिपोर्ट	130–189
सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट	190–195
निदेशकों की गैर–अयोग्यता का प्रमाण पत्र	196–198
कारोबार उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट	199–266
कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट	267–287
बेसल III फ्रेमवर्क के अंतर्गत प्रकटीकरण	288
एकल वित्तीय विवरणियां	**289**
- लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	290–302
- तुलन पत्र	303–304
- लाभ एवं हानि लेखा	305–307
- अनुसूचियां	308–320
- प्रमुख लेखांकन नीतियां	321–335
- लेखों के लिए टिप्पणियां	336–415
- नकदी प्रवाह विवरण	416–420
समेकित वित्तीय विवरणियां	**421**
- लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	422–434
- तुलन पत्र	435–436
- लाभ एवं हानि लेखा	437–439
- अनुसूचियां	440–452
- प्रमुख लेखांकन नीतियां	453–468
- लेखों के लिए टिप्पणियां	469–487
- नकदी प्रवाह विवरण	488–491

लेखापरीक्षक

डी के छाजड़ एंड कंपनी
एस सी बापना एंड एसोसिएट्स
उम्मेद जैन एंड कंपनी
एन के भार्गव एंड कंपनी
पीएसडी एंड एसोसिएट्स

शेयर अंतरण एजेंट

बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड
'बीटल हाउस', तृतीय तल
99, मदनगीर, लोकल शॉपिंग सेंटर के पीछे
नई दिल्ली 110062
दूरभाष : 011–29961281/82/83, फैक्स: 011–29961284
ई–मेल: beetalrta@gmail.com

Contents

	Page No.
Notice	1-40
Directors' Report	41-84
Management Discussion and Analysis	85-127
Auditors' Certificate on Corporate Governance	128-129
Report on Corporate Governance	130-189
Secretarial Audit Report	190-195
Certificate of Non-Disqualification of Directors	196-198
Business Responsibility and Sustainability Report	199-266
Corporate Social Responsibility Report	267-287
Disclosure under Basel III Framework	288
Standalone Financial Statements	**289**
- Auditors' Report	290-302
- Balance Sheet	303-304
- Profit & Loss Account	305-307
- Schedules	308-320
- Significant Accounting Policies	321-335
- Notes to Accounts	336-415
- Cash Flow Statement	416-420
Consolidated Financial Statements	**421**
- Auditors' Report	422-434
- Balance Sheet	435-436
- Profit & Loss Account	437-439
- Schedules	440-452
- Significant Accounting Policies	453-468
- Notes to Accounts	469-487
- Cash Flow Statement	488-491

AUDITORS

D K Chhajer & Co.
S C Bapna & Associates
Ummed Jain & Co.
N K Bhargava & Co.
PSD & Associates

SHARE TRANSFER AGENT

Beetal Financial & Computer Services (P) Limited
'Beetal House', 3rd Floor
99, Madangir, Behind Local Shopping Centre
New Delhi 110062
Tel. No. 011-29961281/82/83, Fax: 011-29961284
e-mail: beetalrta@gmail.com

BLANK PAGE

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक!
punjab national bank ...the name you can BANK upon!

प्रधान कार्यालयः प्लॉट नं. 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली – 110075
Head Office: Plot No.4, Sector 10, Dwarka, New Delhi – 110075

23वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना
Notice of the 23rd Annual General Meeting

महत्वपूर्ण तिथियाँ
IMPORTANT DATES

23वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की तिथि एवं समय	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग वीसी/ओएवीएम के माध्यम से शनिवार, 29 जून, 2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे
एजीएम की कार्यसूची मदों पर मतदान के लिए पात्र शेयरधारकों के निर्धारण के लिए कट–ऑफ तिथि	शनिवार, 22 जून, 2024
लाभांश के लिए रिकॉर्ड तिथि	शनिवार, 22 जून, 2024
बही बंद करने की तिथियाँ	रविवार, 23 जून, 2024 से शनिवार, 29 जून, 2024 तक (दोनों दिन शामिल)
रिमोट ई–वोटिंग की अवधि	बुधवार, 26 जून, 2024 पूर्वाह्न 09.00 बजे से शुक्रवार, 28 जून, 2024 अपराह्न 05.00 बजे तक
लाभांश भुगतान तिथि	शुक्रवार, 12 जुलाई, 2024

Date and time of 23rd Annual General Meeting (AGM)	Saturday, 29th June, 2024 at 11.00 a.m. through VC/OAVM
Cut-off date for determining the shareholders eligible to vote on the Agenda Items of the AGM	Saturday, 22nd June, 2024
Record Date for Dividend	Saturday, 22nd June, 2024
Book Closure Dates	From Sunday, 23rd June, 2024 to Saturday, 29th June, 2024 (both days inclusive)
Period of Remote E-Voting	From 09.00 a.m. of Wednesday, 26th June, 2024 to 05.00 p.m. of Friday, 28th June, 2024
Dividend Payment Date	Friday, 12th July, 2024

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक!

punjab national bank ...the name you can BANK upon!

प्रधान कार्यालयः प्लॉट नंबर 4, सेक्टर 10, द्वारका, नई दिल्ली – 110075
(ई–मेल आईडीः hosd@pnb.co.in)

सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि पंजाब नैशनल बैंक के शेयरधारकों की 23वीं वार्षिक आम बैठक **29 जून, 2024, शनिवार को प्रातः 11.00 बजे (भारतीय मानक समय) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)/ अन्य ऑडियो विजुअल साधनों (ओएवीएम)** के माध्यम से आयोजित की जाएगी जिसमें निम्नलिखित कार्य किए जाएंगे :–

साधारण कार्य

मद सं. 1: 31 मार्च, 2024 को बैंक के लेखापरीक्षित तुलन पत्र, 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक का लाभ और हानि लेखा, लेखों द्वारा कवर की गई अवधि के लिए बैंक के कामकाज और गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र एवं लेखों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करना, अनुमोदन देना तथा स्वीकार करना।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उचित समझे जाने पर निम्नलिखित साधारण संकल्प पारित करनाः

"संकल्प किया जाता है कि 31 मार्च, 2024 को बैंक के लेखापरीक्षित तुलन पत्र, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के लाभ और हानि लेखा, लेखों द्वारा कवर की गई अवधि के लिए बैंक के कामकाज और गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट, तथा, तुलन पत्र एवं लेखों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट को एतद्द्वारा **अनुमोदित एवं स्वीकार** किया जाता है।"

मद सं. 2: वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए बैंक के इक्विटी शेयरों पर लाभांश घोषित करना

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उचित समझे जाने पर निम्नलिखित साधारण संकल्प पारित करनाः

"संकल्प किया जाता है कि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए बैंक के प्रत्येक ₹2/– के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर पर ₹1.50 की दर से प्रति शेयर लाभांश घोषित किया गया है और एतद्द्वारा घोषित किया जाता है।"

विशेष कार्य

मद सं. 3: पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड (समनुषंगी), पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (सहायक कंपनी),पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (सहायक कंपनी) के साथ एकमुश्त प्रतिभूति लेन–देन (प्रतिभूतियों की बिक्री/खरीद), मुद्रा बाजार लेनदेन, प्रतिभूतियों की प्राथमिक सदस्यता, ईबीपी के माध्यम से पीएनबी एनसीडी निर्गमन में सुरक्षा व्यवस्थाकर्ता सेवा, जिसमें पीएनबी गिल्ट्स निर्गम के लिए व्यवस्थाकर्ता/व्यवस्थाकर्ताओं में से एक हो सकता है और ऐसे अन्य लेनदेन भी जैसे सरकारी प्रतिभूतियों (जी–सेक), पीएसयू, अन्य निकाय के बॉण्ड/डिबेंचर की खरीद/बिक्री के लिए संबंधी पार्टी के मत्वपूर्ण लेनदेन जो प्रासंगिक वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली टिप्पणियों में प्रकट किये जा सकते हैं, पर विचार करना और अनुमोदन करना।

Head Office: Plot No.4, Sector 10, Dwarka, New Delhi – 110075
(E-mail id: hosd@pnb.co.in)

NOTICE

NOTICE IS HEREBY GIVEN that the 23rd Annual General Meeting of the Shareholders of Punjab National Bank will be held on **Saturday, 29th June, 2024 at 11.00 A.M. (IST) through Video Conferencing (VC)/Other Audio-Visual Means (OAVM)** to transact the following business:

ORDINARY BUSINESS

Item No.1: To discuss, approve and adopt the Audited Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2024, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2024, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts.

To consider and if thought fit, to pass the following as Ordinary Resolution:

"RESOLVED THAT the Audited Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2024, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2024, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts be and are hereby **approved and adopted."**

Item No.2: To declare dividend on the equity shares of the Bank for the financial year 2023-24

To consider and if thought fit, **to pass the following as Ordinary Resolution:**

"RESOLVED THAT Dividend at the rate of ₹1.50 per equity share of the face value of ₹2/- each of the Bank for the financial year ended 31st March, 2024, be and is hereby declared."

SPECIAL BUSINESS

Item No. 3: To consider and approve the Material Related Party Transactions for Outright securities transactions (sale/purchase of securities), Money Market transactions, Primary subscription of securities, Security Arranger services in PNBs NCD issuances through EBP in which PNB Gilts may be arranger/one of the arrangers to the issue and also such other transactions such as purchase/sale of Government Securities (G-Sec), Bonds/ Debentures of PSUs, other bodies as may be disclosed in the notes forming part of the Financial Statements for the relevant Financial Year with PNB Gilts Limited (Subsidiary), PNB Housing Finance Ltd. (Associate) and PNB Metlife India Insurance Co. Ltd. (Associate)

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उचित समझे जाने पर निम्नलिखित साधारण संकल्प पारित करना:

"**संकल्प किया जाता है कि** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 (इसके बाद "सेबी सूचीबद्धता विनियम" के रूप में संदर्भित) के विनियम 23(4) के प्रावधानों और ऐसे अन्य लागू कानूनी प्रावधानों, यदि कोई हो, और उसमें किसी भी संशोधन, आशोधन, परिवर्तन या उसके पुनः अधिनियमन (इसके बाद "लागू कानून" के रूप में संदर्भित) और पंजाब नैशनल बैंक (इसके बाद "बैंक" के रूप में संदर्भित) की 'संबंधित पार्टी की लेनदेन पर नीति' के अनुसरण में, बैंक के शेयरधारक एतद्वारा बैंक के निदेशक मंडल (इसके बाद "बोर्ड" के रूप में संदर्भित, जिस शब्द में इस संकल्प के अंतर्गत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति या बोर्ड द्वारा विधिवत रूप से गठित किसी भी समिति को शामिल माना जाएगा) को वित्त वर्ष 2023–24 के लिए एजीएम की तिथि (आर्थात, 29 जून, 2024) से अगली एजीएम की तिथि तक ₹1000 करोड़ या बैंक के अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार बैंक के वार्षिक समेकित टर्नओवर के 10% के मैटेरियलिटी थ्रेसहोल्ड, जो भी कम हो, से अधिक राशि के लिए एकमुश्त प्रतिभूति लेनदेन (प्रतिभूतियों की बिक्री/खरीद), मुद्रा बाजार लेनदेन, प्रतिभूतियों की प्राथमिक सदस्यता, पीएनबी एनसीडी निर्गमन में ईबीपी के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्थाकर्ता सेवा, जिसमें पीएनबी गिल्ट्स निर्गम के लिए व्यवस्थाकर्ता/व्यवस्थाकर्ताओं में से एक हो सकता है और ऐसे अन्य लेनदेन भी जैसे सरकारी प्रतिभूतियों (जी–सेक), पीएसयू, अन्य निकाय के बॉण्ड/डिबेंचर की खरीद/बिक्री और जो प्रासंगिक वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरण का हिस्सा बनने वाली टिप्पणियों में प्रकट किया जा सकते हैं, जैसा कि लागू कानूनों के अंतर्गत निर्धारित किया गया है, जैसा कि सूचना के साथ संलग्न व्याख्यात्मक विवरण में निर्दिष्ट है, अनुबंध या समझौतें या लेनदेन करने और/या कार्यान्वित करने और/या जारी रखने के लिए (चाहे व्यक्तिगत लेनदेन हों या लेनदेन एक साथ किए गए हो या लेनदेन की एक श्रृंखला हो या अन्यथा) **अनुमोदन प्रदान** करते हैं।

"**आगे यह संकल्प किया जाता है कि** बोर्ड सभी आवश्यक दस्तावेजों, अनुबंधों, विलेखों, करारों पर हस्ताक्षर करने और निष्पादित करने और ऐसे सभी कार्यों, डीड, मामलों और चीजों को करने के लिए, जैसा कि वह अपने पूर्ण विवेकाधिकार से इस संकल्प को लागू करने और इस संबंध या इस प्रसंग में उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए आवश्यक या उचित समझे, **अधिकृत** है और एतद्वारा इसे **अधिकृत** किया जाता है, आगे, शेयरधारकों की सहमति या अंत में स्वीकृति लेने की आवश्यकता के बिना और इस आशय से कि शेयरधारकों ने इस संकल्प के प्राधिकार द्वारा स्पष्ट रूप से अपनी स्वीकृति दे दी है।

"**आगे यह भी संकल्प किया जाता है कि** बोर्ड एतद्वारा इसे प्रदान की गई सभी या किसी भी शक्ति को जैसा कि यह पूर्वोक्त संकल्प को लागू करने के लिए उचित समझे, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी या कार्यपालक निदेशक (कों) या कार्यपालकों की समिति या बैंक के किसी अधिकारी (अधिकारियों) को सौंपने के लिए अधिकृत है और एतद्वारा इसे **अधिकृत** किया जाता है।"

<u>मद सं. 4</u>: पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड (समनुषंगी) और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (सहायक कंपनी) के साथ ऋण और अग्रिम के लिए संबंधित पार्टी के महत्वपूर्ण लेनदेन पर विचार करना और अनुमोदन करना।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उचित समझे जाने पर, निम्नलिखित साधारण संकल्प पारित करना:

"**संकल्प किया जाता है कि** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

To consider and if thought fit, to pass the following as Ordinary Resolution:

"**RESOLVED THAT** pursuant to the provisions of Regulation 23(4) of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (hereinafter referred to as "SEBI Listing Regulations") and such other applicable provisions of law, if any, and any amendments, modifications, variations or re-enactments thereof (hereinafter referred to as "Applicable Laws") and the 'Policy on Related Party Transactions' of Punjab National Bank (hereinafter referred to as "Bank"), the Shareholders of the Bank do hereby **accord approval** to the Board of Directors of the Bank (hereinafter referred to as "Board", which term shall be deemed to include the Audit Committee of Board or any Committee duly constituted by the Board, to exercise its powers conferred under this resolution), for entering into and/or carrying out and/or continuing with contracts or arrangements or transactions (whether individual transaction or transactions taken together or a series of transactions or otherwise) for Outright securities transactions (sale/purchase of securities), Money Market transactions, Primary subscription of securities, Security Arranger services in PNBs NCD issuances through EBP in which PNB Gilts may be arranger/one of the arrangers to the issue and also such other transactions such as purchase/sale of Government Securities (G-Sec), Bonds/ Debentures of PSUs, other bodies as may be disclosed in the notes forming part of the Financial Statements for the relevant Financial Year, for an amount in excess of the materiality threshold of ₹1000 Crore or 10% of the Annual Consolidated Turnover of the Bank as per the last audited financial statements of the Bank, whichever is lower, as prescribed under Applicable Laws, from the date of AGM for FY 2023-24 (i.e., 29th June, 2024) till the date of next AGM, as specified in the Explanatory Statement annexed to the Notice."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to sign and execute all necessary documents, contracts, deeds, agreements and to do all such acts, deeds, matters and things as it may in its absolute discretion deem necessary or expedient to give effect to this resolution and to settle any question that may arise in this regard and incidental thereto, without being required to seek any further consent or approval of the shareholders to the end and intent that the shareholders shall be deemed to have given their approval thereto expressly by the authority of this resolution."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to delegate all or any of the powers herein conferred on it, to the Managing Director & CEO or Executive Director(s) or Committee of Executives or any Officer(s) of the Bank, as it may deem fit, to give effect to the aforesaid Resolution."

<u>Item No.4:</u> To consider and approve the Material Related Party Transactions for Loans and Advances with PNB Gilts Ltd. (Subsidiary) and PNB Housing Finance Ltd. (Associate)

To consider and if thought fit, to pass the following as Ordinary Resolution:

"**RESOLVED THAT** pursuant to the provisions of Regulation 23(4) of

(सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 (इसके बाद "सेबी सूचीबद्धता विनियम" के रूप में संदर्भित) के विनियम 23(4) के प्रावधानों और ऐसे अन्य लागू कानूनी प्रावधानों, यदि कोई हो, और उसमें किसी भी संशोधन, आशोधन, परिवर्तन या उसके पुनः अधिनियमन (इसके बाद "लागू कानून" के रूप में संदर्भित) और पंजाब नैशनल बैंक (इसके बाद "बैंक" के रूप में संदर्भित) की 'संबंधित पक्ष की लेनदेन पर नीति' के अनुसरण में, बैंक के शेयरधारक एतद्वारा बैंक के निदेशक मंडल (इसके बाद "बोर्ड" के रूप में संदर्भित, जिस शब्द में इस संकल्प के अंतर्गत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति या बोर्ड द्वारा विधिवत रूप से गठित किसी भी समिति को शामिल माना जाएगा) को सेबी सूचीबद्धता विनियम के विनियम 2(1)(जेडबी) के अभिप्राय के भीतर बैंक की संबंधित पार्टियों, पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीएनबीएचएफएल) के साथ वित्त वर्ष 2023–24 के लिए एजीएम की तिथि (यानी, 29 जून, 2024) से अगली एजीएम की तिथि तक ₹1000 करोड़ या बैंक के अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार बैंक के वार्षिक समेकित टर्नओवर के 10% के मैटेरियलिटी थ्रेसहोल्ड, जो भी कम हो, से अधिक राशि के लिए, जैसा कि लागू कानूनों के अंतर्गत निर्धारित किया गया है, जैसा कि नोटिस के साथ संलग्न व्याख्यात्मक विवरण में निर्दिष्ट है, ऋण और अग्रिम जैसे मीयादी ऋण, ऋण सहायता, ओवरड्राफ्ट इत्यादि स्वीकृत करने हेतु अनुबंध या समझौतें या लेनदेन करने और/या कार्यान्वित करने और/या जारी रखने के लिए (चाहे व्यक्तिगत लेनदेन हों या लेनदेन एक साथ किए गए हो या लेनदेन की एक श्रृंखला हो या अन्यथा) **अनुमोदन प्रदान** करते हैं।

"आगे यह संकल्प किया जाता है कि बोर्ड सभी आवश्यक दस्तावेजों, अनुबंधों, विलेखों, करारों पर हस्ताक्षर करने और निष्पादित करने और ऐसे सभी कार्यों, डीड, मामलों और चीजों को करने के लिए, जैसा कि वह अपने पूर्ण विवेकाधिकार से इस संकल्प को लागू करने और इस संबंध या इस प्रसंग में उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए आवश्यक या उचित समझे, अधिकृत है और एतद्वारा इसे **अधिकृत** किया जाता है, इसके आगे, शेयरधारकों की सहमति या अंत में स्वीकृति लेने की आवश्यकता के बिना और इस आशय से कि शेयरधारकों ने इस संकल्प के प्राधिकार द्वारा स्पष्ट रूप से अपनी स्वीकृति दे दी है।

"आगे यह भी संकल्प किया जाता है कि बोर्ड एतद्वारा इसे प्रदान की गई सभी या किसी भी शक्ति को जैसा कि यह पूर्वोक्त संकल्प को लागू करने के लिए उचित समझे, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी या कार्यपालक निदेशक (कों) या कार्यपालकों की समिति या बैंक के किसी अधिकारी (अधिकारियों) को सौंपने के लिए **अधिकृत** है और एतद्वारा इसे अधिकृत किया जाता है।"

<u>मद संख्या 5:</u> क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (सहयोगी कंपनियों) के साथ आईबीपीसी लेनदेन के लिए संबंधित पार्टी के महत्वपूर्ण लेनदेन पर विचार करना और अनुमोदन करना।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उचित समझे जाने पर निम्नलिखित साधारण संकल्प पारित करना:

"संकल्प किया जाता है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 (इसके बाद "सेबी सूचीबद्धता विनियम" के रूप में संदर्भित) के विनियम 23(4) के प्रावधानों और ऐसे अन्य लागू कानूनी प्रावधानों, यदि कोई हो, और उसमें किसी भी संशोधन, आशोधन, परिवर्तन या उसके पुनः अधिनियमन (इसके बाद "लागू कानून" के रूप में संदर्भित) और पंजाब नैशनल बैंक (इसके बाद "बैंक" के रूप में संदर्भित) की 'संबंधित पक्ष की लेनदेन पर नीति' के अनुसरण में, बैंक के शेयरधारक एतद्वारा बैंक के निदेशक मंडल (इसके बाद "बोर्ड"

the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (hereinafter referred to as "SEBI Listing Regulations") and such other applicable provisions of law, if any, and any amendments, modifications, variations or re-enactments thereof (hereinafter referred to as "Applicable Laws") and the 'Policy on Related Party Transactions' of Punjab National Bank (hereinafter referred to as "Bank"), the Shareholders of the Bank do hereby **accord approval** to the Board of Directors of the Bank (hereinafter referred to as "Board", which term shall be deemed to include the Audit Committee of Board or any Committee duly constituted by the Board, to exercise its powers conferred under this resolution), for entering into and/or carrying out and/or continuing with contracts or arrangements or transactions (whether individual transaction or transactions taken together or a series of transactions or otherwise) of granting of Loans and Advances such as Term Loans, Line of Credit, Overdraft, etc., to PNB Gilts Limited and PNB Housing Finance Limited (PNBHFL), Related Parties of the Bank within the meaning of Regulation 2(1)(zb) of SEBI Listing Regulations, for an amount in excess of the materiality threshold of ₹1000 Crore or 10% of the Annual Consolidated Turnover of the Bank as per the last audited financial statements of the Bank, whichever is lower, as prescribed under Applicable Laws, from the date of AGM for FY 2023-24 (i.e., 29th June, 2024) till the date of next AGM, as specified in the Explanatory Statement annexed to the Notice."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to sign and execute all necessary documents, contracts, deeds, agreements and to do all such acts, deeds, matters and things as it may in its absolute discretion deem necessary or expedient to give effect to this resolution and to settle any question that may arise in this regard and incidental thereto, without being required to seek any further consent or approval of the shareholders to the end and intent that the shareholders shall be deemed to have given their approval thereto expressly by the authority of this resolution."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to delegate all or any of the powers herein conferred on it, to the Managing Director & CEO or Executive Director(s) or Committee of Executives or any Officer(s) of the Bank, as it may deem fit, to give effect to the aforesaid Resolution."

<u>Item No.5:</u> To consider and approve the Material Related Party Transactions for IBPC Transactions with Regional Rural Banks (Associates)

To consider and if thought fit, pass the following as Ordinary Resolution:

"**RESOLVED THAT** pursuant to the provisions of Regulation 23(4) of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (hereinafter referred to as "SEBI Listing Regulations") and such other applicable provisions of law, if any, and any amendments, modifications, variations or re-enactments thereof (hereinafter referred to as "Applicable Laws") and the 'Policy on Related Party Transactions' of Punjab National Bank (hereinafter referred to as "Bank"), the Shareholders of the Bank do hereby **accord approval** to the Board of Directors of the Bank (hereinafter referred to as "Board", which term shall be deemed

के रूप में संदर्भित, जिस शब्द में इस संकल्प के अंतर्गत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति या बोर्ड द्वारा विधिवत रूप से गठित किसी भी समिति को शामिल माना जाएगा) को सेबी सूचीबद्धता विनियम के विनियम 2(1)(जेडबी) के अभिप्राय के भीतर बैंक की संबंधित पार्टियों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अर्थात असम ग्रामीण विकास बैंक, बंगीय ग्रामीण विकास बैंक, हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, मणिपुर ग्रामीण बैंक, पंजाब ग्रामीण बैंक, प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक, त्रिपुरा ग्रामीण बैंक, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक और सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, के साथ वित्त वर्ष 2023–24 के लिए एजीएम की तिथि (यानी, 29 जून, 2024) से अगली एजीएम की तिथि तक ₹1000 करोड़ या बैंक के अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार बैंक के वार्षिक समेकित टर्नओवर के 10% के मैटेरियलिटी थ्रेसहोल्ड, जो भी कम हो, से अधिक राशि के लिए, जैसा कि लागू कानूनों के अंतर्गत निर्धारित किया गया है, जैसा कि सूचना के साथ संलग्न व्याख्यात्मक विवरण में निर्दिष्ट है, अनुबंध या समझौतें या लेनदेन करने और/या कार्यान्वित करने और/या जारी रखने के लिए (चाहे व्यक्तिगत लेनदेन हों या लेनदेन एक साथ किए गए हो या लेनदेन की एक श्रृंखला हो या अन्यथा हो) **अनुमोदन प्रदान** करते हैं।

"**आगे यह संकल्प किया जाता है कि** बोर्ड सभी आवश्यक दस्तावेजों, अनुबंधों, विलेखों, करारों पर हस्ताक्षर करने और निष्पादित करने और ऐसे सभी कार्यों, डीड, मामलों और चीजों को करने के लिए, जैसा कि वह अपने पूर्ण विवेकाधिकार से इस संकल्प को लागू करने और इस संबंध या इस प्रसंग में उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए आवश्यक या उचित समझे, **अधिकृत** है और एतद्वारा इसे **अधिकृत** किया जाता है, इसके आगे, शेयरधारकों की सहमति या अंत में स्वीकृति लेने की आवश्यकता के बिना और इस आशय से कि शेयरधारकों ने इस संकल्प के प्राधिकार द्वारा स्पष्ट रूप से अपनी स्वीकृति दे दी है।

"**आगे यह भी संकल्प किया जाता है कि** बोर्ड एतद्वारा इसे प्रदान की गई सभी या किसी भी शक्ति को जैसा कि यह पूर्वोक्त संकल्प को लागू करने के लिए उचित समझे, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी या कार्यपालक निदेशक (कों) या कार्यपालकों की समिति या बैंक के किसी अधिकारी (अधिकारियों) को सौंपने के लिए **अधिकृत** है और एतद्वारा अधिकृत किया जाता है।"

<u>मद संख्या 6</u>: पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड (समनुषंगी) और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (सहायक कंपनी) के साथ चालू खातों में संबंधित पार्टी के महत्वपूर्ण लेनदेन पर विचार करना और अनुमोदन करना।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उचित समझे जाने पर निम्नलिखित साधारण संकल्प पारित करना:

"**संकल्प किया जाता है कि** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्ध ता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 (इसके बाद "सेबी सूचीकरण विनियम" के रूप में संदर्भित) के विनियम 23(4) के प्रावधानों और ऐसे अन्य लागू कानूनी प्रावधानों, यदि कोई हो, और उसमें किसी भी संशोधन, आशोधन, परिवर्तन या उसके पुनः अधिनियमन (इसके बाद "लागू कानून" के रूप में संदर्भित) और पंजाब नेशनल बैंक (इसके बाद "बैंक" के रूप में संदर्भित) की 'संबंधित पार्टी लेनदेन पर नीति' के अनुसरण में, बैंक के शेयरधारक एतद्वारा बैंक के निदेशक मंडल (इसके बाद "बोर्ड" के रूप में संदर्भित, जिस शब्द में इस संकल्प के अंतर्गत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति या बोर्ड द्वारा विधिवत रूप से गठित किसी भी समिति को शामिल माना जाएगा) को सेबी सूचीबद्धता विनियम के विनियम 2(1)(जेडबी) के आशय के भीतर बैंक की संबंधित पार्टियों पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीएनबीएचएफएल) के साथ, बैंक द्वारा चालू खाता जमा, चाहे नए जमा(ओं)

to include the Audit Committee of Board or any Committee duly constituted by the Board, to exercise its powers conferred under this resolution), for entering into and/or carrying out and/or continuing with contracts or arrangements or transactions (whether individual transaction or transactions taken together or a series of transactions or otherwise) for undertaking IBPC transactions with Regional Rural Banks viz. Assam Gramin Vikash Bank, Bangiya Gramin Vikash Bank, Himachal Pradesh Gramin Bank, Manipur Rural Bank, Punjab Gramin Bank, Prathama UP Gramin Bank, Tripura Gramin Bank, Dakshin Bihar Gramin Bank and Sarva Haryana Gramin Bank, Related Parties of the Bank within the meaning of Regulation 2(1)(zb) of SEBI Listing Regulations, for an amount in excess of the materiality threshold of ₹1000 Crore or 10% of the Annual Consolidated Turnover of the Bank as per the last audited financial statements of the Bank, whichever is lower, as prescribed under Applicable Laws, from the date of AGM for FY 2023-24 (i.e., 29th June, 2024) till the date of next AGM, as specified in the Explanatory Statement annexed to the Notice."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to sign and execute all necessary documents, contracts, deeds, agreements and to do all such acts, deeds, matters and things as it may in its absolute discretion deem necessary or expedient to give effect to this resolution and to settle any question that may arise in this regard and incidental thereto, without being required to seek any further consent or approval of the shareholders to the end and intent that the shareholders shall be deemed to have given their approval thereto expressly by the authority of this resolution."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to delegate all or any of the powers herein conferred on it, to the Managing Director & CEO or Executive Director(s) or Committee of Executives or any Officer(s) of the Bank, as it may deem fit, to give effect to the aforesaid Resolution."

<u>Item No.6:</u> To consider and approve the Material Related Party Transactions for Current Account with PNB Gilts Ltd. (Subsidiary) and PNB Housing Finance Ltd. (Associate)

To consider and if thought fit, to pass the following as Ordinary Resolution:

"**RESOLVED THAT** pursuant to the provisions of Regulation 23(4) of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (hereinafter referred to as "SEBI Listing Regulations") and such other applicable provisions of law, if any, and any amendments, modifications, variations or re-enactments thereof (hereinafter referred to as "Applicable Laws") and the 'Policy on Related Party Transactions' of Punjab National Bank (hereinafter referred to as "Bank"), the Shareholders of the Bank do hereby **accord approval** to the Board of Directors of the Bank (hereinafter referred to as "Board", which term shall be deemed to include the Audit Committee of Board or any Committee duly constituted by the Board, to exercise its powers conferred under this resolution), for entering into and/or carrying out and/or continuing with contracts or arrangements or transactions (whether individual transaction or transactions taken together or a series of transactions or otherwise) for acceptance of current account deposits by the

या किसी वृद्धि(ओं) के माध्यम से या पहले के अनुबंधों/समझौतों/लेनदेनों में संशोधन या अन्यथा के रूप में हों, की स्वीकृति हेतु, वित्त वर्ष 2023–24 के लिए एजीएम की तिथि (यानी, 29 जून, 2024) से अगली एजीएम की तिथि तक ₹1000 करोड़ या बैंक के अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार बैंक के वार्षिक समेकित टर्नओवर के 10% के मैटेरियलिटी थ्रेसहोल्ड, जो भी कम हो, से अधिक राशि के लिए, जैसा कि लागू कानूनों के अंतर्गत निर्धारित किया गया है, जैसा कि नोटिस के साथ संलग्न व्याख्यात्मक विवरण में निर्दिष्ट है, अनुबंध या समझौतें या लेनदेन करने और/या कार्यान्वित करने और/या जारी रखने के लिए (चाहे व्यक्तिगत लेनदेन हों या लेनदेन एक साथ किए जाएं हो या लेनदेन की एक श्रृंखला या अन्यथा हो) **अनुमोदन प्रदान** करते हैं।

"**आगे यह संकल्प किया जाता है कि** बोर्ड सभी आवश्यक दस्तावेजों, अनुबंधों, विलेखों, करारों पर हस्ताक्षर करने और निष्पादित करने और ऐसे सभी कार्यों, डीड, मामलों और चीजों को करने के लिए, जैसा कि वह अपने पूर्ण विवेकाधिकार से इस संकल्प को लागू करने और इस संबंध या इस प्रसंग में उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए आवश्यक या उचित समझे, **अधिकृत** है और एतद्वारा इसे **अधिकृत** किया जाता है, आगे, शेयरधारकों की सहमति या अंत में स्वीकृति लेने की आवश्यकता के बिना और इस आशय से कि शेयरधारकों ने इस संकल्प के प्राधिकार द्वारा स्पष्ट रूप से अपनी स्वीकृति दे दी है।

"**आगे यह भी संकल्प किया जाता है कि** बोर्ड एतद्वारा इसे प्रदान की गई सभी या किसी भी शक्ति को जैसा कि यह पूर्वोक्त संकल्प को लागू करने के लिए उचित समझे, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी या कार्यपालक निदेशक (कों) या कार्यपालकों की समिति या बैंक के किसी अधिकारी (अधिकारियों) को सौंपने के लिए **अधिकृत** है और एतद्वारा इसे **अधिकृत** किया जाता है।"

<u>मद संख्या 7</u>: ड्रक पीएनबी बैंक लिमिटेड (अंतर्राष्ट्रीय समनुषंगी) और एवरेस्ट बैंक लिमिटेड (अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यम) के साथ नोस्ट्रो खाते में संबंधित पार्टी के महत्वपूर्ण लेनदेन पर विचार करना और अनुमोदन करना।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और उचित समझे जाने पर, निम्नलिखित साधारण संकल्प पारित करना:

"**संकल्प किया जाता है कि** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 (इसके बाद "सेबी सूचीबद्धता विनियम" के रूप में संदर्भित) के विनियम 23(4) के प्रावधानों और ऐसे अन्य लागू कानूनी प्रावधानों, यदि कोई हो, और उसमें किसी भी संशोधन, आशोधन, परिवर्तन या उसके पुनः अधिनियमन (इसके बाद "लागू कानून" के रूप में संदर्भित) और पंजाब नैशनल बैंक (इसके बाद "बैंक" के रूप में संदर्भित) की 'संबंधित पक्ष की लेनदेन पर नीति' के अनुसरण में, बैंक के शेयरधारक एतद्वारा बैंक के निदेशक मंडल (इसके बाद "बोर्ड" के रूप में संदर्भित, जिस शब्द में इस संकल्प के अंतर्गत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति या बोर्ड द्वारा विधिवत रूप से गठित किसी भी समिति को शामिल माना जाएगा) को सेबी सूचीकरण विनियम के विनियम 2(1)(जेडबी) के अभिप्राय के भीतर बैंक की संबंधित पार्टियों, ड्रक पीएनबी बैंक लिमिटेड (अंतर्राष्ट्रीय सहायक) और एवरेस्ट बैंक लिमिटेड (अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यम) के साथ नोस्ट्रो खाते में लेनदेन, चाहे नए लेनदेन या किसी भी वृद्धि के माध्यम से हो या पिछले अनुबंधों/समझौतों/लेनदेन में संशोधन या अन्यथा के रूप में हो, वित्त वर्ष 2023–24 के लिए एजीएम की तिथि (यानी, 29 जून, 2024) से अगली एजीएम की तिथि तक ₹1000 करोड़ या बैंक के अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार बैंक के वार्षिक

Bank whether by way of fresh deposit(s) or any extension(s) or modification(s) of earlier contracts/arrangements/transactions or otherwise, from PNB Gilts Limited and PNB Housing Finance Limited, Related Parties of the Bank within the meaning of Regulation 2(1)(zb) of SEBI Listing Regulations, for an amount in excess of the materiality threshold of ₹1000 Crore or 10% of the Annual Consolidated Turnover of the Bank as per the last audited financial statements of the Bank, whichever is lower, as prescribed under Applicable Laws, from the date of AGM for FY 2023-24 (i.e., 29th June, 2024) till the date of next AGM, as specified in the Explanatory Statement annexed to the Notice."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to sign and execute all necessary documents, contracts, deeds, agreements and to do all such acts, deeds, matters and things as it may in its absolute discretion deem necessary or expedient to give effect to this resolution and to settle any question that may arise in this regard and incidental thereto, without being required to seek any further consent or approval of the shareholders to the end and intent that the shareholders shall be deemed to have given their approval thereto expressly by the authority of this resolution."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to delegate all or any of the powers herein conferred on it, to the Managing Director & CEO or Executive Director(s) or Committee of Executives or any Officer(s) of the Bank, as it may deem fit, to give effect to the aforesaid Resolution."

<u>Item No.7:</u> To consider and approve the Material Related Party Transactions in the Nostro Account with Druk PNB Bank Limited (International Subsidiary) & Everest Bank Limited (International Joint Venture).

To consider and if thought fit, to pass with or without modification, the following as Ordinary Resolution:

"**RESOLVED THAT** pursuant to the provisions of Regulation 23(4) of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (hereinafter referred to as "SEBI Listing Regulations") and such other applicable provisions of law, if any, and any amendments, modifications, variations or re-enactments thereof (hereinafter referred to as "Applicable Laws") and the 'Policy on Related Party Transactions' of Punjab National Bank (hereinafter referred to as "Bank"), the Shareholders of the Bank do hereby **accord approval** to the Board of Directors of the Bank (hereinafter referred to as "Board", which term shall be deemed to include the Audit Committee of Board or any Committee duly constituted by the Board, to exercise its powers conferred under this resolution), for entering into and/or carrying out and/or continuing with contracts or arrangements or transactions (whether individual transaction or transactions taken together or a series of transactions or otherwise) in the Nostro accounts whether by way of fresh transaction or any extension(s) or modification(s) of earlier contracts/arrangements/ transactions or otherwise, with Druk PNB Bank Limited and Everest Bank Limited, Related Parties of the Bank

समेकित टर्नओवर के 10% के मैटेरियलिटी थ्रेसहोल्ड, जो भी कम हो से अधिक राशि के लिए जैसा कि लागू कानूनों के अंतर्गत निर्धारित किया गया है, जैसा कि नोटिस के साथ संलग्न व्याख्यात्मक विवरण में निर्दिष्ट है, अनुबंध या समझौतें या लेनदेन करने और/या कार्यान्वित करने और/या जारी रखने के लिए (चाहे व्यक्तिगत लेनदेन हों या लेनदेन एक साथ किए जाएं हो या लेनदेन की एक श्रृंखला या अन्यथा हो) **अनुमोदन प्रदान** करते हैं।

"**आगे यह संकल्प किया जाता है कि** बोर्ड सभी आवश्यक दस्तावेजों, अनुबंधों, विलेखों, करारों पर हस्ताक्षर करने और निष्पादित करने और ऐसे सभी कार्यों, डीड, मामलों और चीजों को करने के लिए, जैसा कि वह अपने पूर्ण विवेकाधिकार से इस संकल्प को लागू करने और इस संबंध या इस प्रसंग में उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए आवश्यक या उचित समझे, **अधिकृत** है और एतद्वारा इसे **अधिकृत** किया जाता है, आगे, शेयरधारकों की सहमति या अंत में स्वीकृति लेने की आवश्यकता के बिना और इस आशय से कि शेयरधारकों ने इस संकल्प के प्राधिकार द्वारा स्पष्ट रूप से अपनी स्वीकृति दे दी है।

"**आगे यह भी संकल्प किया जाता है कि** बोर्ड एतद्वारा इसे प्रदान की गई सभी या किसी भी शक्ति को जैसा कि यह पूर्वोक्त संकल्प को लागू करने के लिए उचित समझे, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी या कार्यपालक निदेशक (कों) या कार्यपालकों की समिति या बैंक के किसी अधिकारी (अधिकारियों) को सौंपने के लिए **अधिकृत** है और एतद्वारा इसे अधिकृत किया जाता है।"

निदेशक मंडल के आदेश से
कृते पंजाब नैशनल बैंक

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 03.06.2024

(एकता पसरीचा)
कंपनी सचिव

within the meaning of Regulation 2(1)(zb) of SEBI Listing Regulations, for an amount in excess of the materiality threshold of ₹1000 Crore or 10% of the Annual Consolidated Turnover of the Bank as per the last audited financial statements of the Bank, whichever is lower, as prescribed under Applicable Laws, from the date of AGM for FY 2023-24 (i.e., 29th June, 2024) till the date of next AGM, as specified in the Explanatory Statement annexed to the Notice."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to sign and execute all necessary documents, contracts, deeds, agreements and to do all such acts, deeds, matters and things as it may in its absolute discretion deem necessary or expedient to give effect to this resolution and to settle any question that may arise in this regard and incidental thereto, without being required to seek any further consent or approval of the shareholders to the end and intent that the shareholders shall be deemed to have given their approval thereto expressly by the authority of this resolution."

"**RESOLVED FURTHER THAT** the Board be and is hereby **authorised** to delegate all or any of the powers herein conferred on it, to the Managing Director & CEO or Executive Director(s) or Committee of Executives or any Officer(s) of the Bank, as it may deem fit, to give effect to the aforesaid Resolution."

By order of the Board of Directors
For Punjab National Bank

Place: New Delhi
Date: 03.06.2024

(Ekta Pasricha)
Company Secretary